प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके स्पेनिश समकक्ष पेड्रो सांचेज ने 28 अक्टूबर, 2024 को गुजरात के वडोदरा में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड परिसर में सी-295 विमान के निर्माण के लिए टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:176 दिनांक:29-10-2024 मंगलवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

रोहतक से दिल्ली जा रही एक पैसेंजर ट्रेन में संदिग्ध परिस्थितियों में विस्फोट हो गया। जानकारी के मुताबिक, विस्फोट की वजह से एक बोगी में आ लग गई। इस हादसे में चार यात्री गंभीर रूप से झुलस गए। यात्रियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है

भारत का रक्षा विनिर्माण पारिस्थिति की तंत्र नई ऊंचाइयों को छू रहा है: पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके स्पेनिश समकक्ष पेड्रो सांचेज ने 28 अक्टूबर, 2024 को गुजरात के वडोदरा में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) परिसर में सी-295 विमान के निर्माण के लिए टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।

पीएम मोदी ने कहा कि स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज की यह पहली भारत यात्रा है और दोनों देशों के बीच साझेदारी आज नई दिशा पा रही है। सी-295 विमान के निर्माण के लिए टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स के उद्घाटन का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे न केवल दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत होंगे, बल्कि 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' मिशन को भी गति मिलेगी। मोदी ने इस अवसर पर एयरबस और टाटा की पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने स्वर्गीय श्री रतन टाटा जी को भी श्रद्धांजलि दी।

पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि सी-295 विमान का कारखाना नए भारत की नई कार्य संस्कृति का प्रतिबिंब है और कहा कि देश में किसी भी परियोजना के विचार से लेकर क्रियान्वयन तक भारत की गति यहां देखी जा सकती है। अक्टूबर 2022 में कारखाने की आधारशिला रखने को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सुविधा अब सी-295 विमान के उत्पादन के लिए तैयार है। परियोजनाओं की योजना और निष्पादन में बेहिसाब देरी को खत्म करने पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में वडोदरा में बॉम्बार्डियर ट्रेन कोच निर्माण सुविधा की स्थापना को याद किया और कहा कि यह कारखाना उत्पादन के लिए रिकॉर्ड समय में तैयार हुआ था। उन्होंने कहा, ''इस कारखाने में बने मेट्रो कोच आज दूसरे देशों को निर्यात किए जा रहे हैं।'' मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि आज उद्घाटन की गई सुविधा में बने विमान भी निर्यात किए जाएंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि जैसे ही हम लक्ष्य की ओर बढ़ते हैं, लक्ष्य की ओर जाने वाला रास्ता अपने आप बन जाता है। भारत का रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र आज नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि अगर 10 साल पहले ठोस कदम नहीं उठाए गए होते तो आज इस लक्ष्य तक पहुंचना असंभव होता। उन्होंने कहा कि एक दशक पहले रक्षा विनिर्माण की प्राथमिकता और पहचान आयात तक सीमित थी और कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था कि भारत में इतने बड़े पैमाने पर रक्षा विनिर्माण हो सकता है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवनियुक्त युवाओं को 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पीएम मोदी युवाओं को सौगात देंगे। प्रधानमंत्री मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवनियुक्त युवाओं को 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। इस अवसर पर देशभर में 40 स्थानों पर रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में नियुक्तियां केंद्र सरकार में शामिल होंगी।

इन नियुक्तियों में राजस्व विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय जैसे विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में केंद्र सरकार में शामिल होने वाले नए कर्मचारी शामिल होंगे।

रोजगार मेला रोजगार सृजन को प्राथमिकता देने के लिए प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह युवाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए सार्थक अवसर प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाएगा।

महाराष्ट्र में 99 सीटें कांग्रेस ने घोषित कीं, एनसीपी और उद्धव गुट में खलबली

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में सीट बंटवारे को लेकर तनावपूर्ण स्थिति बनी है। कांग्रेस, उद्धव वाली शिवसेना और शरद पवार गुट वाली एनसीपी के बीच सीट बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। इसके बाद कांग्रेस ने बड़ा दांव चलकर 99 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है, कांग्रेस के इस फैसले से अन्य दलों में खलबली मच गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, महा विकास अघाड़ी में पहले 85-85-85 सीटों का फॉर्मूला तय हुआ था, जिसे बाद में 95 सीटों पर सहमति बनाने की बात की गई। लेकिन अब तक उद्धव गुट ने 87 और एनसीपी ने 76 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। इस स्थिति को देखकर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी खासे नाराज दिखाई दिए। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में राहुल गांधी का गुस्सा सातवें आसमान पर था, जिसके कारण उन्होंने बैठक को बीच में ही छोड़ दिया।

कांग्रेस ने 99 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान करके अन्य दो दलों को संकट में डाल दिया है। इस फैसले से साफ होता है कि एमवीए में अब कांग्रेस ही बड़ा भाई बनने की कोशिश कर रही है। एनसीपी और शिवसेना को अब 95-95 सीटों पर संतोष करना पड़ सकता है, जबकि कांग्रेस अपने 99 उम्मीदवारों के साथ चुनावी मैदान में उतर चुकी है। राजनैतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस स्थिति से महा विकास अघाड़ी की एकता पर सवाल उठाना लाजिमी हैं। सीट बंटवारे का फॉर्मूला लगातार बदल रहा है, जिससे यह स्पष्ट हो रहा है कि तीनों दलों के बीच आपसी समझदारी में कमी है। महाराष्ट्र में कुल 288 विधानसभा सीटें हैं, और चुनाव एक चरण में 20 नवंबर को होगा, जबकि परिणाम 23 नवंबर को आएंगे।

इस राजनीतिक संघर्ष के बीच, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार भी स्थिति को करीब से देख रही है, जिससे आगामी चुनावों में माहौल और भी रोचक हो सकता है।

दिल्ली जा रही पैसेंजर ट्रेन में लगी आग, जान बचाने चलती ट्रेन से कूदे यात्री

गंधक पोटाश की वजह से हुआ विस्फोट, यात्रियों में फैली दहशत

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोमवार शाम को रोहतक जिला के सांपला के नजदीक जींद से दिल्ली जा रही पैसेंजर ट्रेन के एक डिब्बे में आग लग गई। चलती ट्रेन में कूदने से 4 व्यक्ति घायल हो गए। यह हादसा ट्रेन में गंधक पोटाश की वजह से हुआ। हादसे की सूचना पर पुलिस और रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। पैसेंजर ट्रेन शाम 4 बजकर 20 मिनट पर रोहतक रेलवे स्टेशन से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। यह पैसेंजर ट्रेन करीब 30 मिनट बाद सांपला रेलवे स्टेशन पहुंची थी। वहां ठहरने के बाद यह बहादुरगढ़ के लिए रवाना हुई। पैसेंजर ट्रेन में अचानक ही एक सवारी डिब्बे में जोरदार धमाका हुआ। इसी के साथ डिब्बे में आग लग गई। धमाके की आवाज होते ही पैसेंजर ट्रेन में बैठी सवारियों में भगदड़ मच गई। चलती पैसेंजर ट्रेन में कूदने से 4 व्यक्ति घायल हो गए। इस बीच किसी ने चेन खींचकर पैसेंजर ट्रेन को रोक दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के चलते पटाखों पर बैन की वजह से गंधक पोटाश खुलेआम बेचा जा रहा है। लोहे के उपकरण में एक पाइप लगा होता है, जिसमें गंधक-पोटाश का मिश्रण डाला जाता है। इसके बाद पाइप में सरिया डालकर दबाव बनाया जाता है। जिससे गंधक-पोटाश तक दबाव पड़ता है और उपकरण से तेज आवाज बाहर आती है। आवाज के साथ जहरीला धुआं भी निकलता है। इन दिनों यह पटाखों का विकल्प बन गया है। दीपावली पर पटाखों के बैन होने के चलते पोटाश व गंधक की मांग बढ़ गई है।

सूचना मिलने पर पुलिस की विभिन्न टीम मौके पर पहुंच गईं। फायर टेंडर की मदद से आग पर काबू पाया गया। ट्रेन में सफर कर रही सवारियों ने बताया कि एक व्यक्ति अपने साथ गंधक पोटाश लेकर सफर कर रहा था, उसी वजह से यह हादसा हुआ। आग लगने की वजह से पूरा डिब्बा काला पड़ गया। धमाके की जांच के लिए फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी बुलाई गई है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि पैसेंजर ट्रेन जैसे ही सांपला रेलवे स्टेशन से रवाना हुई, उसी के साथ धमाका हो गया। यह धमाका इतना तेज था कि सवारियों में अफरा तफरा मच गई। पैसेंजर ट्रेन में अचानक ही एक सवारी डिब्बे में जोरदार धमाका हुआ। इसी के साथ डिब्बे में आग लग गई।

अखनूर में 3 आतंकी मारे गए

सुबह आर्मी एंबुलेंस पर फायरिंग की थी, 5 घंटे चले एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने मार गिराया

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के अखनूर में सोमवार को सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। सुबह 7:26 बजे लाइन ऑफ कंट्रोल के पास भट्टल इलाके में इन आतंकियों ने आर्मी एंबुलेंस पर फायरिंग की थी। हालांकि इसमें जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ।

आतंकी फायरिंग के बाद जंगल की ओर भाग गए थे। सेना ने इनके खिलाफ सर्च ऑपरेशन चलाया। करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद तीनों आतंकियों को ढेर कर दिया। इससे पहले 24 अक्टूबर को बारामूला में सेना की गाड़ी पर आतंकियों ने हमला किया था, जिसमें 3 जवान और 2 पोर्टर की जान गई थी।

मंदिर में मोबाइल ढूंढ रहे थे आतंकवादी

सुरक्षाबलों ने बताया कि, आतंकवादी भट्टल इलाके में जंगल से लगे शिव आसन मंदिर में एक मोबाइल ढूंढ रहे थे। उन्हें किसी को कॉल करनी थी। इसी दौरान आर्मी की एंबुलेंस गुजरी और आतंकवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि आतंकवादी पिछली रात बॉर्डर पार करके अखनूर में आए थे।

जेपीसी बैठक में दिल्ली वक्फ बोर्ड के प्रजेंटेशन पर हंगामा

विपक्षी दलों के सांसदों ने किया बहिष्कार

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोमवार को दिल्ली वक्फ बोर्ड के प्रजेंटेशन को लेकर हुई जेपीसी की बैठक में विपक्षी सांसदों से एक बार फिर जमकर हंगामा किया। वक्फ पैनल की बैठक का विपक्षी दलों के सांसदों ने बहिष्कार और वॉकआउट किया। इससे पहले पिछले हफ्ते भी बैठक में विपक्ष ने तीखे तेवर दिखाए थे। विपक्षी सांसदों ने दावा किया कि कमेटी के सामने पेश हुए दिल्ली वक्फ बोर्ड एडमिनिस्ट्रेशन ने दिल्ली सरकार की जानकारी के बिना प्रेजेंटेशन में बदलाव किए हैं। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह, द्रमुक के मोहम्मद अब्दुल्ला, कांग्रेस के नसीर हुसैन और मोहम्मद जावेद समेत अन्य लोग बैठक से बाहर चले गए। विपक्षी सांसदों का आरोप है कि एमसीडी कमिश्नर और दिल्ली वक्फ बोर्ड प्रशासक अश्विनी कुमार ने मुख्यमंत्री की मंजूरी के बिना वक्फ बोर्ड की शुरुआती रिपोर्ट में बदलाव कर दिया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने जेपीसी अध्यक्ष को पत्र लिखा है, उन्होंने वक्फ बिल पर जेपीसी को सौंपी गई दिल्ली की वक्फ रिपोर्ट को अमान्य और शून्य घोषित किया है। आतिशी ने जगदंबिका पाल को लिखे पत्र में कहा कि दिल्ली वक्फ बोर्ड द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर किसी भी प्रेजेंटेशन को रद्द करें।

पुलिस ने संदिग्ध बांग्लादेशी समेत फर्जी आधार बनवाने वाले को किया गिरफ्तार

जयपुर,(ईएमएस)। जयपुर पुलिस ने 12 संदिग्ध बांग्लादेशियों को पकड़ने के बाद अपना अभियान और तेज कर दिया है। भांकरोटा थाना पुलिस ने एक संदिग्ध बांग्लादेशी और जाली दस्तावेज बनवाने वाले साथी को सोमवार सुबह गिरफ्तार किया। पुलिस ने संदिग्ध के पास से फर्जी आधार कार्ड बरामद किया है, जिसमें 45 साल के संदिग्ध बांग्लादेशी की उम्र 18 साल लिखी है। पुलिस पूछताछ में कई अहम खुलासे होने के साथ ही फरार आरोपियों की तलाश में जगह-जगह दबिश दी जा रही है।

4 हजार करोड़ के बैंक फ्रॉड मामले में एक्शन

ईडी ने प्रमोटर्स की 503 करोड़ की संपत्तियां जब्त कीं

नागपुर (ईएमएस)। प्रवर्तन निदेशालय नागपुर ने 4,037 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी केस में 5 राज्यों में कार्रवाई की है। एजेंसी ने महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और आंध्र प्रदेश में 503.16 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की हैं। ये संपत्तियां 24 अक्टूबर को जब्त की गई थीं। इसके साथ ही जब्त की गई कुल संपत्ति लगभग 727 करोड़ रुपए हो गई है।

मामला कॉरपोरेट पावर लिमिटेड और उनके प्रमोटर्स, डायरेक्टर्स मनोज जायसवाल, अभिजीत जायसवाल, अभिषेक जायसवाल के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप के तहत हुई जांच से जुड़ा है। कुर्क संपत्तियों में बैंक बैलेंस, म्यूचुअल फंड, शेयर, कॉरपोरेट पावर लिमिटेड और मनोज कुमार जायसवाल और उनके परिजन के अलावा कई शेल कंपनियों के नाम ली गई प्रॉपर्टी शामिल हैं। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई थी। यूनियन बैंक के मुताबिक आरोपियों ने लोन लेने के लिए प्रोजेक्ट डीटेल में हेरफेर की और इसके बाद बैंक के फंड को डायवर्ट किया था। इसके चलते बैंक को 4,037 करोड़ रुपए, ब्याज समेत 11,379 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इससे पहले इस मामले में ईडी ने नागपुर, कोलकाता और विशाखापत्तनम में कई जगह तलाशी अभियान चलाकर आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए थे। ईडी ने अपराध की आय भी जब्त की थी। जिसमें 223.33 करोड़ रुपए के लिस्टेड शेयर और सिक्योरिटी, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट और बैंक बैलेंस शामिल थे। साथ ही 55.85 लाख रुपए की नकदी भी जब्त की थी।

सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी

-कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का बताया, कहा-सलमान मामले से दूर रहो

पटना (ईएमएस)। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी मिली है। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया है। धमकी देने वाले शख्स ने पप्पू यादव को सलमान खान मामले से अलग रहने की हिदायत भी दी है। उसने कॉल पर कहा, सलमान के मामले से दूर रहो, हम कर्म और कांड दोनों करते हैं।

धमकी देने वाले का दावा है कि लॉरेंस बिश्नोई जेल में एक लाख रुपए प्रतिघंटा देकर जैमर बंद करवाकर पप्पू यादव से बात करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन पप्पू यादव फोन नहीं उठा रहे हैं। दरअसल, 12 अक्टूबर को मुंबई में पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी की हत्या हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। इसके बाद पूर्णिया सांसद ने सोशल मीडिया पर 24 घंटे में लॉरेंस गैंग के खात्मे की बात कही थी। वहीं पिछले गुरुवार को पप्पू यादव ने मुंबई में बाबा सिद्दिकी के बेटे जिशान सिद्दीकी से मुलाकात की थी। वो व्यस्तता के कारण एक्टर सलमान खान से मिल नहीं पाए थे। लेकिन सांसद ने अपने पोस्ट के जरिए कहा था कि वो हर परिस्थिति में सलमान खान के साथ हैं।

माउंट एवरेस्ट को लेकर विशेषज्ञ क्यों जता रहे इस तरह की चिंता

नई दिल्ली (ईएमएस)। माउंट एवरेस्ट वर्तमान में धरती का सबसे ऊंचा पर्वत है, लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि यह हमेशा ऐसा नहीं रहेगा। इसका कारण है धरती की प्लेटों का टेक्टोनिक मूवमेंट और आसपास का इरोजन इसका मुख्य कारण है। जब टेक्टोनिक प्लेट्स आपस में टकराती हैं, तब एक प्लेट दूसरी के नीचे जाकर उसे ऊपर उठाती है, जिससे पहाड़ों की ऊंचाई में परिवर्तन होता है। इस प्रक्रिया से हर साल एवरेस्ट की ऊंचाई लगभग एक इंच बढ़ रही है। स्टडी के अनुसार, एवरेस्ट से 72 किलोमीटर दूर स्थित एक नदी नेटवर्क के कारण इरोजन हो रहा है, जिससे एवरेस्ट पिछले 89,000 वर्षों में 49 से 164 फीट तक ऊंचा हो गया है।

एवरेस्ट का पड़ोसी और दुनिया का नौवां सबसे ऊंचा पर्वत नंगा पर्वत भी तेजी से ऊंचाई हासिल कर रहा है। नंगा पर्वत पर इरोजन और अपलिफ्ट की दर अधिक होने से इसके भविष्य में एवरेस्ट से ऊंचा होने की संभावना है। वर्तमान में यह एवरेस्ट से करीब 2,000 फीट ही कम ऊंचाई पर है।

जानकारों का मानना है कि हिमालय के नीचे मौजूद टेक्टोनिक प्लेट्स की सक्रियता के कारण आने वाले करोड़ों साल तक हिमालय के पहाड़ ऊंचाई में बढ़ते रहने वाले है। ठंडे क्रस्ट के कारण ये और ऊंचे उठ सकते हैं, जबकि मॉनसून के कारण इरोजन का प्रभाव भी बना रहता है। हालांकि, विशेषज्ञ यह भी बताते हैं कि अगर कोई पर्वत एवरेस्ट से कुछ सौ मीटर ऊंचा हो भी जाए, तब यह संभव है, लेकिन 10 किलोमीटर ऊंचा होना थोड़ा मुश्किल और डरावना परिदृश्य होगा।

बदल गया जनगणना का चक्र, अगले साल होगी शुरुआत

जाति नहीं सम्प्रदाय पूछेंगे जनगणना में

-जणगणना में धर्म और वर्ग के बारे में पूछा जाता है, लेकिन इस बार यह पूछा जाएगा कि वे किस संप्रदाय को मानते हैं

नई दिल्ली (ईएमएस)। दस साल बाद देश में होने वाली जनगणना अगले साल 2025 से शुरू होकर एक साल तक चलेगी। इस जनगणना की खास बात यह हो सकती है कि गणना के दौरान धर्म और वर्ग के बारे में पूछने के बजाय यह पूछा जाए कि वे किस संप्रदाय को मानते हैं।

भारत में हर दस साल बाद देश में जनगणना होती है। इस बार जनगणना 2021 में होना थी लेकिन कोरोना की वजह से इसे टाल दिया गया। माना जा रहा है कि इस बार जनगणना जाति के बजाय संप्रदाय के आधार पर की जा सकती है। जनगणना में धर्म और वर्ग को ध्यान में रखा जाता है, लेकिन इस बार लोगों से यह भी पूछा जा सकता है कि वे किस संप्रदाय को मानते हैं। गौरतलब है कि कई राजनीतिक दलों ने जातिगत आधार पर जनगणना करने की मांग की थी, जिसे सरकार ने नकार दिया है। लेकिन जनगणना होना आवश्यक है, इसलिए उसे सांप्रदायिक तौर पर कराया जा सकता है। जनगणना के बाद लोकसभा सीटों के परिसीमन का रास्ता साफ हो जाएगा। भारत में पहली जनगणना 1872 में हुई थी। स्वतंत्रता के बाद 1951 में जनगणना की गई और आखिरी जनगणना 2011 में दर्ज की गई थी। जनगणना के आंकड़े भारत सरकार के लिए नीति निर्माण और कार्यान्वयन तथा देश में संसाधनों के समान वितरण को सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

2028 तक पूरा होगा परिसीमन

लोक सभा सीटों का परिसीमन जनगणना पूरी होने के बाद शुरू होगा। परिसीमन प्रक्रिया 2028 तक पूरी होने की संभावना है। दरअसल, कई विपक्षी दलों की तरफ से जातिगत जनगणना की मांग भी की जा रही है, लेकिन सरकार ने अभी इस बारे में फैसला नहीं किया है।

इस मांग पर सरकार कर रही विचार

अब तक जनगणना में धर्म और वर्ग पूछा जाता रहा है। साथ ही सामान्य, अनुसूचित जाति और जनजाति की गणना होती है। लेकिन इस बार लोगों से यह भी पूछा जा सकता है कि वे किस संप्रदाय के अनुयायी हैं। उदाहरण के तौर पर कर्नाटक में सामान्य वर्ग में आने वाले लिंगायत स्वयं को अलग संप्रदाय के मानते हैं। इसी तरह अनुसूचित जाति में वाल्मीकि, रविदासी, जैसे अलग-अलग संप्रदाय हैं। यानी धर्म, वर्ग के साथ संप्रदाय के आधार पर भी जनगणना की मांग पर सरकार विचार कर रही है।

जातिगत जनगणना पर अभी फैसला नहीं!

केंद्र सरकार ने फिलहाल जनगणना के साथ जातिवार जनगणना कराने को लेकर औपचारिक फैसला नहीं किया है। लेकिन विपक्ष की ओर से जातिवार जनगणना को राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश को देखते हुए मोदी सरकार जातिवार जनगणना कराने का फैसला ले सकती है। क्योंकि सरकार भी चाहती है कि एक तो इस मुद्दे पर एनडीए में कोई मतभेद न हो साथ ही सभी धर्मों की आबादी में मौजूद जाति व्यवस्था की जड़ों का भी पता चल सके। फिर अगर आरक्षण सहित किसी भी सुविधा के लिए कोई विशेष योजना चलानी हो तो ट्रिपल टेस्ट का पहला और अहम टेस्ट इसी मुहिम के साथ पूरा हो जाएगा।

इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स पर साइबर विंग तैनात

नई दिल्ली (ईएमएस)। दो हफ्ते में 400 से ज्यादा फ्लाइट्स को बम की धमकी मिलने के बाद नेशनल इन्वेस्टिगेटिव एजेंसी एक्शन में है। सोमवार को हृद्ध ने इंटरनेशनल एयपोर्ट्स पर अपनी साइबर विंग के अफसरों को तैनात किया है। यह अफसर फ्लाइट में बम की धमकी मिलते ही जांच शुरू कर देगी। धमकी देने वाले को ट्रेस करने से लेकर अफसर हवाई जहाज की भी सेफ्टी भी तय करेगी। इसके अलावा कई एयरपोर्ट्स पर बॉम्ब थ्रेट असेसमेंट कमेटी की टीमें तैनात की गई हैं।

एयरपोर्ट में सुरक्षा बढ़ाने के लिए एनआईए के साथ कई एजेंसियां काम कर रही हैं। ये एजेंसियां सेफ्टी प्रोटोकॉल तैयार करने में जुटी हैं। रविवार को तीन इंडियन एयरलाइंस की 50 फ्लाइट्स में बम की धमकी मिली थी। इनमें इंडिगो की 18, विस्तारा की 17 और अकासा की 15 फ्लाइट्स शामिल थीं। हालांकि जांच में ये सभी धमकियां झूठी निकली थीं। इस पर केंद्र सरकार ने इन धमकियों पर सख्त रवैया अपनाया था। आईटी मिनिस्ट्री ने 26 अक्टूबर को एडवाइजरी जारी कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से कहा था कि अगर वे ऐसी झूठी सूचनाओं को फौरन नहीं हटाते हैं तो उन्हें आईटी एक्ट के तहत मिलने वाली इम्युनिटी रद्द कर दी जाएगी। मंत्रालय ने कहा था कि ऐसी सूचनाओं को तुरंत हटाकर इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को भी देनी होगी।

25 लाख दीपकों से जगमगाएगी राम नगरी

रात 12 बजे तक हो सकेंगे मंदिर भवन दर्शन

अयोध्या (ईएमएस)। भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद होने वाला पहला दीपोत्सव कई मायनों में ख़ास होगा. अयोध्या नगरी तो लाखों दीपों से रोशन होगी ही साथ ही श्रीराम जन्मभूमि पर बने भव्य मंदिर की दीपावली भी यादगार होगी. इसके लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है.

इस वर्ष सरयू तट पर जहां 25 से 28 लाख दीपक प्रज्वलित कर विश्व रिकॉर्ड बनाने की योजना है, वहीं श्रीराम मंदिर में विशेष प्रकार के दीपक जलाए जाएंगे. मंदिर भवन को दाग-धब्बों और कालिख से सुरक्षित रखने के लिए विशिष्ट दीपकों की व्यवस्था की है, जो लंबे समय तक प्रकाशमान रहेंगे.

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को आकर्षक फूलों से सजाने की भी विशेष योजना है. मंदिर परिसर को कई खंडों और उपखंडों में विभाजित कर सजावट का दायित्व सौंपा गया है. बिहार कैडर से स्वैच्छिक सेवानिवृत्त आईजी आशु शुक्ला को मंदिर के प्रत्येक कोने को व्यवस्थित रूप से रोशन करने, सभी प्रवेश द्वारों को तोरण से सजाने, साफ-सफाई और सजावट की जिम्मेदारी सौंपी गई है. इससे श्रद्धालु मनोहारी फूलों और दीपों से सजे मंदिर का दिव्य दर्शन कर सकेंगे.

राष्ट्रपति भवन सहित देश के प्रमुख भवनों और स्मारकों को लाल रंग से सजाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। मस्तिष्क द्वारा लिखित भाषा को संसाधित करने और सीखने में बाधा उत्पन्न करने वाली निःशक्तता-डिस्लेक्सिया के बारे में देशभर में जागरूकता बढाने के अभियान एक्ट फॉर डिस्लेक्सिया के अंतर्गत राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, उत्तर और दक्षिण ब्लॉक और इंडिया गेट सहित दिल्ली सरकार के उच्चतम कार्यालयों और प्रमुख स्मारकों को लाल रंग से रोशन किया है। यह अभियान पटना, रांची, जयपुर, कोहिमा, शिमला और मुंबई सहित प्रमुख शहरों में चलाया गया। इसमें डिस्लेक्सिया और सीखने की अन्य अक्षमताओं को विवेकपूर्ण ढंग से बढावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

इस पहल का उद्देश्य पढने-लिखने और सीखने में कठिनाई संबंधी विकार के बारे में जागरूकता बढाना है जिससे साढे तीन करोड़ विद्यार्थियों सहित भारत की 20 प्रतिशत आबादी के प्रभावित होने का अनुमान है। यूनेस्को के सहयोग से महात्मा गांधी इंस्टीटयूट ऑफ एजुकेशन फॉर पीस एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एमजीआईईपी) और चेंजइंक फाउंडेशन द्वारा इसका आयोजन किया जा रहा है।

भाजपा नेता और एक्टर मिथुन चक्रवर्ती ने दिया विवादास्पद बयान

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में 6 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता का दौरा किया। इस दौरान एक रैली में भाजपा नेता और वरिष्ठ अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने एक विवादास्पद बयान दिया। 74 वर्षीय मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, एक नेता ने कहा था कि हम यहां 70ङ मुस्लिम हैं और हिंदू यहां 30ङ हैं। हिंदुओं को काटकर भागीरथी में बहा देंगे। मैं कहता हूं कि हम तुम्हें काटकर भागीरथी में तो नहीं बहायेंगे, लेकिन तुम्हें तुम्हारी जमीन पर जरूर दफना देंगे।

मिथुन चक्रवर्ती ने यह बयान तृणमूल नेता कबीर की टिप्पणी के बाद दिया है। मुर्शिदाबाद में तृणमूल कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के लिए प्रचार करने के दौरान कबीर ने विवादास्पद टिप्पणी की थी। एक रैली में उन्होंने कथित तौर पर कहा, आप (यहां के लोगों में) 30 प्रतिशत हैं, लेकिन हम 70 प्रतिशत हैं। अगर आपको लगता है कि आप मस्जिदों को ध्वस्त कर सकते हैं और मुसलमान आराम से बैठ जाएंगे? तो आप गलत हैं। अगर मैं आप लोगों को भागीरथी में नहीं डुबो पाया, तो राजनीति छोड़ दूंगा।

मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, मैं मुख्यमंत्री नहीं हूं। लेकिन ये कह रहा हूं। हम बंगाल जीतने के लिए कुछ भी करेंगे। 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद बंगाल में बीजेपी की सरकार आएगी। भागीरथी हमारी मां हैं। हम इसे बचाने के लिए कुछ भी करेंगे। अमित शाह के सामने ही उन्होंने कहा, हमें पैसे लेने वाले कार्यकर्ता नहीं चाहिए। अगर आप हमारे झाड़ का एक फल तोड़ोगे, तो हम आपके झाड़ का 4फल तोड़ेंगे। इस दौरान उन्होंने बंगाल राज्य परहिंदू समुदाय को वोट डालने की अनुमति नहीं देने का आरोप लगाया।

भाजपा के सदस्यता अभियान के कार्यक्रम में वेटरन एक्टर ने कहा, हमें लड़ने वाले लोग चाहिए। ऐसे लोग चाहिए, जो खड़े होकर कह सकें कि मुझे गोली मारो। मैं देखता हूं कि तुम्हारे पास कितनी गोलियां हैं। हमें वो लोग नहीं चाहिए, जो पैसों के लिए खड़े होते हैं।

मिथुन चक्रवर्ती के इस बयान के बाद तृणमूल कांग्रेस ने पलटवार किया। पार्टी महासचिव जय प्रकाश मजूमदार ने मिथुन चक्रवर्ती को एक महत्वहीन व्यक्ति करार दिया है। उन्होंने कहा, एक राजनीतिक नेता के रूप में कोई भी उन्हें गंभीरता से नहीं लेता। जिस नेता (तृणमूल के कबीर) की टिप्पणी के बारे में उन्होंने बात की थी, उसकी चुनाव आयोग ने निंदा की थी। अब अमित शाह की उपस्थिति में मिथुन चक्रवर्ती ऐसा कह रहे हैं। देखना है कि अब इस बारे में पार्टी का कदम क्या होगा?

आईएनएस तलवार फ्रांस के ला रियूनियन पहुंचा

नई दिल्ली (ईएमएस)। हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी तैनाती के एक हिस्से के रूप में भारतीय नौसेना का फ्रंटलाइन स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तलवार 27 अक्टूबर 2024 को फ्रांस के ला रियूनियन पहुंचा। ला रियूनियन की यात्रा का उद्देश्य क्षेत्र के समुद्री सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारत-फ्रांस साझेदारी को मजबूत करना है। आईएनएस तलवार ला रियूनियन बंदरगाह यात्रा के दौरान फ्रांसीसी नौसेना के साथ क्रॉस-डेक यात्राएं करेंगे और आपस में तालमेल बिठाएंगे। इससे पहले, इस जहाज को 27 अक्टूबर 2024 को प्रवासी भारतीयों के लिए खुला रखा गया था।

भारत और फ्रांस के बीच पारंपरिक रूप से मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं और दोनों देशों के बीच गहरी, स्थायी रणनीतिक साझेदारी है। आईएनएस तलवार को 18 जून 2003 को नौसेना में शामिल किया गया था और यह पश्चिमी नौसेना कमान के तहत भारतीय नौसेना के पश्चिमी बेड़े का हिस्सा है। इस जहाज की कमान वर्तमान में कैप्टन जीतू जॉर्ज के पास है। आईएनएस तलवार ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित आईबीएसएएमएआर ऋ्छ्छ बहुपक्षीय अभ्यास में भाग लिया था।

स्वदेशी हर्बल ज्ञान को पेटेंट के माध्यम से मान्यता मिली

नई दिल्ली (ईएमएस)। जम्मू और कश्मीर तथा गुजरात के हर्बल पारंपरिक ज्ञान के संरक्षकों को पहले कश्मीर विश्वविद्यालय में तथा बाद में 22 अक्टूबर, 2024 को राष्ट्रीय नवाचार फाउंडेशन, गांधीनगर में आयोजित सम्मान कार्यक्रमों में हर्बल पेटेंट प्रदान किए गए।

भारत को पारंपरिक हर्बल ज्ञान प्रणालियों के समृद्ध संसाधन से नवाजा गया है। इन मूल्यवान प्रणालियों को देश भर में उत्कृष्ट पारंपरिक विद्वानों द्वारा संरक्षित और बनाए रखा जा रहा है जिससे प्राकृतिक संसाधनों की स्थिरता को बढ़ावा मिल रहा है। ये विद्वान अपने पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर बातचीत करते हैं और अनुभवों, प्रयोगों तथा ज्ञान के माध्यम से संचित स्थानीय वनस्पतियों की गहरी समझ रखते हैं। ये पद्धतियां अपने क्षेत्र में पशुधन सहित मानव स्वास्थ्य और कृषि में चुनौतियों को हल करने के लिए उपकरण का काम करती हैं। ये सतत् प्रयास पर्यावरणीय स्वच्छता और रोगाणुरोधी प्रतिरोध पर बढ़ती चिंता के साथ अपना महत्व कायम रख रही हैं। ऐसी हर्बल दवाओं को स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में एकीकृत करने के लिए मान्यता दी जानी चाहिए और वैज्ञानिक रूप से मूल्यवान बनाया जाना चाहिए। नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन-इंडिया (एनआईएफ) देश की स्वदेशी ज्ञान प्रणाली के संरक्षण पर बल दे रहा है। एनआईएफ ने उत्कृष्ट पारंपरिक ज्ञान प्रथाओं के विशाल भंडार को विकसित किया है और बौद्धिक संपदा डआईपी.अधिकारों के माध्यम से इस ज्ञान को संरक्षित किया है।

पीएम मोदी आज करेंगे भारत के पहले अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के चरण-II का उद्घाटन

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 29 अक्टूबर को दोपहर लगभग 12:30 बजे धन्वंतरि जयंती और 9वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली में लगभग 12,850 करोड़ रुपये की लागत वाली स्वास्थ्य क्षेत्र से सम्बंधित विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ, उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य कवरेज का विस्तार शुरू करेंगे। इससे सभी वरिष्ठ नागरिकों को उनकी आय को महत्व दिये बिना स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री देशभर में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास करते रहे हैं। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री कई स्वास्थ्य संस्थानों का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

प्रधानमंत्री भारत के पहले अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के दूसरे चरण का उद्घाटन करेंगे। इस चरण में, एक पंचकर्म अस्पताल, औषधि निर्माण के लिए एक आयुर्वेदिक फार्मेसी, एक खेल चिकित्सा इकाई, एक केंद्रीय पुस्तकालय, एक आईटी और स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन सेंटर और 500 सीटों वाला ऑडिटोरियम शामिल है। मोदी मध्यप्रदेश के मंदसौर, नीमच और सिवनी में 3 मेडिकल कॉलेजों का भी उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा, वे हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर, पश्चिम बंगाल के कल्याणी, बिहार के पटना, उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, मध्य प्रदेश के भोपाल, असम के गुवाहाटी और नई दिल्ली विभिन्न एम्स में सुविधा और सेवा विस्तार का उद्घाटन करेंगे, जिसमें एक जन औषधि केंद्र भी शामिल होगा। प्रधानमंत्री छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सरकारी मेडिकल कॉलेज में एक सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक और ओडिशा के बरगढ़ में एक क्रिटिकल केयर ब्लॉक का भी उद्घाटन करेंगे।

जन हितैषी

जन हितैषी

स्मार्टफोन और इंटरनेट के कारण 8 करोड़ जुआड़ी बढ़े

स्मार्टफोन और इंटरनेट के कारण ऑनलाइन जुआ खेलने की लत दिनों-दिन बढ़ती ही जा रही है। लीजेंड पब्लिक हेल्थ कमीशन ने जो रिपोर्ट जारी की है उसके अनुसार भारत में कम से कम 8 करोड़ नए जुआड़ी बन गए हैं जो ऑनलाइन जुआ खेलकर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। इसके चलते कई परिवार तबाह हो गए हैं। हजारों लोगों ने आत्महत्या कर ली है। सामाजिक संबंधों में भी एक नया बिखराव देखने को मिल रहा है। जुए की लत सौ बीमारियों की एक बीमारी है। जुए की बढ़ती हुई लत के कारण युवाओं में नशे की आदत भी बढ़ती चली जा रही है। शारीरिक और मानसिक परेशानियों को देखते हुए बड़े पैमाने पर जुआड़ी आर्थिक कठिनाइयों के कारण जहां नशे का शिकार हो रहे हैं वहीं परिवार में घरेलू हिंसा और आपराधिक घटनाएं भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। स्मार्टफोन के माध्यम से लोगों को खासकर किशोरवय और युवा पीढ़ी को जुआ खेलने का आसान तरीका मिल गया है। स्मार्टफोन, समाचार पत्र और टीवी के जरिए खुलेआम जुए का प्रचार-प्रसार हो रहा है। हद यह है कि इस जुए का शिकार अब महिलाएं भी होने लगी हैं। जो रिपोर्ट आई है उसके अनुसार 15.8 फ़ीसदी वयस्क 26.8 फ़ीसदी किशोर और महिलाओं में भी ऐप के जरिए जुआ खेलने की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती ही चली जा रही है। घंटों स्मार्टफोन पर परिवार के लगभग प्रत्येक सदस्य समय बिताते हैं.जिसके कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। मानसिक रोग बढ़ते चले जा रहे हैं। इसके चलते कुछ मानसिक रोगी अचानक अपराध करने लग जाते हैं तो कुछ अपने स्वयं के शरीर को हानि पहुंचाने लगते हैं। अब तो आत्महत्या जैसी प्रवृत्ति भी बड़ी तेजी के साथ समाज के सभी वर्गों में देखने को मिल रही है। एक पढ़े-लिखे और उत्तम समाज के लिए वाकई चिंता का सबसे बड़ा कारण बनता चला जा रहा है। ऐसे में सलाह दी जाती है कि वर्तमान स्थिति में भारत सरकार को स्मार्टफोन और इंटरनेट पर जुए के ऐप को तत्काल बंद कर देना चाहिए। 15 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से प्रतिबंधित करने और इंटरनेट के जरिए जो बुराइयां बड़ी तेजी के साथ प्रत्येक परिवार के बीच में परोसी जा रही हैं इन पर तत्काल रोक लगाने की आवश्यकता है। स्मार्टफोन के कारण समाज में यौन अपराध के मामले भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। मासूम छोटे-छोटे बच्चों के साथ जिस तरह का यौन उत्पीड़न किया जा रहा है इसका सबसे बड़ा कारण स्मार्टफोन और इंटरनेट को ही माना जा रहा है। अनेक आपराधिक मामलों में इस बात का खुलासा भी हो चुका है, जहां अपराधी स्वयं स्वीकार करते देखे गए हैं कि उन्होंने इंटरनेट और मोबाईल पर जो देखा वही किया। इसके चलते बच्चे भी अपराधियों की सूची में शामिल होते देखे जा रहे हैं।

भारत में पिछले 10 वर्षों में गरीब और अमीर सभी इंटरनेट और स्मार्टफोन का बड़े पैमाने पर उपयोग कर रहे हैं। पोर्न पिक्चर्स और वीडियो को देखने का चलन स्मार्टफोन पर बढ़ता ही जा रहा है। नाबालिग बच्चों के बीच में भी पोर्न फिल्में देखी जा रही हैं। इसका असर यह हो रहा है कि 18 साल से कम उम्र के बच्चे भी अब यौन अपराधों में शामिल हो गए हैं। जिस तरह से छोटी-छोटी बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न की घटनाओं के समाचार आ रहे हैं, उसके बाद भी सरकार ने इस समस्या के समाधान को सुलझाने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया। महंगाई और बेरोजगारी का असर समाज के सभी तबकों के बीच बना हुआ है। आर्थिक जरूरत को पूरा करने के लिए लोग जुए का सहारा ले रहे हैं। इसके कारण स्थितियां और भी खराब हो रही हैं। स्मार्टफोन और इंटरनेट के कारण दुनिया के 45 करोड़ लोग मानसिक बीमारी के शिकार होकर सामाजिक व्यवस्था में तरह-तरह की समस्या पैदा कर रहे हैं। कई देशों ने अपने यहां नाबालिग युवाओं को सोशल मीडिया से दूर रहने का कानून बना दिया है। ऑनलाइन जुए के ऐप और वेबसाइट को कानूनी रूप से बंद कर दिया गया है। लेकिन भारत जैसे देश में जुए की ऐप और जुए को खुलेआम खिलाने की परमिशन दी गई है और इसके लिए सरकार 28 फ़ीसदी टैक्स वसूलकर अपना राजस्व बढ़ा रही है। भारत में जिस तरह से जुए की लत बढ़ती ही जा रही है, यदि तुरंत इसको नियंत्रित करने की दिशा में काम नहीं किया गया तो स्थिति बड़ी विस्फोटक हो सकती है। सरकार को समय रहते इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

धन के साथ धर्म की अमृतवर्षा का पर्व है धनतेरस

(धनतेरस- 29 अक्टूबर, 2024)

दीपावली से जुड़े पांच पर्वों में दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। धनतेरस अर्थव्यवस्था का महापर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक् एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन कुछ उपाय करने से घर में धन-धान्य के भंडार भर जाते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। तम मिटाती धनतेरस और प्रकाश बांटती लक्ष्मी यानी भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस मान्यतानुसार इस उत्सव में भी सोने, चांदी, सिक्के आदि के रूप में आधिभौतिक लक्ष्मी का आधिदैविक लक्ष्मी से संबंध स्वीकार करके पूजन किया जाता है। घरों को दीपमाला आदि से अलंकृत करना इत्यादि कार्य लक्ष्मी के आध्यात्मिक स्वरूप की शोभा को आविर्भूत करने के लिए किए जाते हैं। जब हम धन का ध्यान करते हैं तो सार्वभौमिक आत्मा को अपनी प्रचुरता के लिए धन्यवाद देते हैं।

हम और ज्यादा के लिए भी प्रार्थना करतें हैं ताकि हम और ज्यादा समृद्ध हो सकें यह समृद्धि केवल सोना-चांदी-रूपयों की ही नहीं बल्कि ज्ञान, आनन्द आत्मविश्वास, शांति एवं प्रेम की भी होती है। सोना चांदी केवल एक बाहरी प्रतीक है। दौलत हमारे भीतर है। भीतर में बहुत सारा प्रेम, शांति और आनंद है। इससे ज्यादा दौलत आपको और क्या चाहिए? ज्ञान ही वास्तविक धन है। आपका चरित्र, आपकी शांति और आत्म विश्वास आपकी वास्तविक दौलत है। जब आप ईश्वर के साथ जुड़ कर आगे बढ़ते हो तो इससे बढ़कर कोई और दौलत नहीं है। यह शाही विचार तभी आता है जब आप ईश्वर और सबकी अनंतता के साथ जुड़ जाते हो। जब लहर यह याद रखती है कि वह समुद्र के साथ जुड़ी हुई है और समुद्र का हिस्सा है तो विशाल शक्ति मिलती है। धनतेरस 'आयुर्वेद' का दिन भी है, क्योंकि जड़ीबूटियां भी धन हैं। जड़ीबूटियां और पेड़-पौधे भी धन हैं। ऐसा कहते हैं कि धनतेरस के दिन ही मानवता को अमृत दिया गया था।

भारतीय संस्कृति में धर्म-अर्थ-काम और मोक्ष जीवन के उद्देश्य रहे हैं। यहां इन्हें प्राप्त करने के लिए हमेशा से प्रयास होते रहे हैं। धनतेरस पर धन के साथ-साथ धर्म का भी यहां महत्त्व दिया गया है और दोनों के बीच समन्वय स्थापित किए जाने की आवश्यकता भी व्यक्त होती रही है। लेकिन जब-जब इनके समन्वय के प्रयास कमजोर हुए हैं तब-तब समाज में एक असंतुलन एवं अराजकता का माहौल बना है। शास्त्रों में कहा गया है कि धन की सार्थकता तभी है जब व्यक्ति का जीवन सद्गुणों से युक्त हो। लेकिन हाल के वर्षों में समृद्धि को लेकर हमारे समाज की मानसिकता और मानक बदले हैं। आज समृद्धि का अर्थ सिर्फ आर्थिक सम्पन्नता तक हो गया है। समाज में मानवीय मूल्यों और सद्विचारों को हाशिये पर डाल दिया गया है और येन-केन-प्रकारेण धन कमाना एवं धन की कामना करना ही सबसे बड़ा लक्ष्य बनता जा रहा है। आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्या इस प्रवृत्ति के बीज हमारी परंपराओं में रहे हैं या यह बाजार के दबाव का नतीजा है? इस तरह की मानसिकता समाज को कहां ले जाएगी? ये कुछ महत्त्वपूर्ण प्रश्न हैं, जिनपर धनतेरस जैसे पवित्र पर्व पर मंथन जरूरी है।

लक्ष्मीजी का स्वरूप त्रिगुणात्मक है। उनका वास तन, मन और धन तीनों में है। पांच प्रकार के सुख कहे गये हैं- तन, मन, धन, पत्नी और संतान। देवी भगवती कमला यानी लक्ष्मीजी के आठ रूप कहे गये हैं। आद्य लक्ष्मी या महालक्ष्मी (कन्या), धन लक्ष्मी (धन, वैभव, निवेश, अर्थव्यवस्था), धान्य लक्ष्मी (अन्न), गजलक्ष्मी (पशु व प्राकृतिक धन), सनातना लक्ष्मी (सौभाग्य, स्वास्थ्य, आयु व समृद्धि), वीरा लक्ष्मी (वीरोचित लक्ष्मी अर्थात रक्षा, सुरक्षा), विजया लक्ष्मी (दिग्दिगंत विजय), विद्या लक्ष्मी (विद्या, ज्ञान, कला विज्ञान), इन आठों स्वरूपों को मिलाकर महालक्ष्मी का पर्व बना दिवाली। दिवाली अर्थात दीप पर्व। जहां इन आठों स्वरूपों का प्रकाश हो, वहां दिवाली निश्चित रूप से होती है। प्रकाश, पुष्टि, प्रगति की प्रार्थना के साथ। दूसरे अर्थ में समझिए। लक्ष्मीजी का वास एक लघु इकाई में है। एक माटी के दीपक में है। उसके प्रकाश में है। एक फकीर की भी दिवाली है तो एक अमीर की भी। एक कुम्हार की भी दिवाली है, तो एक सर्राफ की भी। यही लक्ष्मी है। मन की लक्ष्मी। सबकी लक्ष्मी। इसका आशय यह है कि तन, मन, धन, परिवार और संतान की पुष्टि एक दीप की तरह प्रकाशवान रहें। धनवर्षा के साथ, अमृतवर्षा के साथ।

हमारी समृद्धि गुणात्मक हो, लेकिन समृद्धि के नाम पर पनप रहा नया नजरिया न केवल घातक है बल्कि मानव अस्तित्व पर खतरे का एक गंभीर संकेत भी है। साम्राज्यवाद की पीठ पर सवार पूंजीवाद ने जहां एक ओर अमीरी को बढ़ाया है तो वहीं दूसरी ओर गरीबी भी बढ़ती गई है। यह अमीरी और गरीबी का फासला कम होने की बजाय बढ़ता ही जा रहा है जिसके परिणामों के रूप में हम कोरोना जैसी महामारियों को, युद्ध की विभीषिकाओं को, आतंकवाद को, सांप्रदायिकता, महंगाई, बेरोजगारी को देख सकते हैं, जिनकी निष्पत्तियां हैं समाज में हिंसा, नफरत, द्वेष, लोभ, गलाकाट प्रतिस्पर्धा, रिश्ते में दरारें आदि। सर्वाधिक प्रभाव पर्यावरणीय असंतुलन एवं प्रदूषण के रूप में उभरा है। चंद हाथों में सिमटी समृद्धि की वजह से बड़े और तथाकथित संपन्न लोग ही नहीं बल्कि देश का एक बड़ा तबका मानवीयता से शून्य अपसंस्कृति का शिकार हो गया है। अनेक बुराइयां बिन बुलाए घर आ गईं। आदमी-आदमी से असुरक्षित हो गया। हिंसा, झूठ, चोरी, बलात्कार, संग्रह जैसे निषेधात्मक संस्कारों ने मनुष्य को पकड़ लिया। चेहरे ही नहीं चरित्र तक अपनी पहचान खोने लगे। नीति और निष्ठा के केंद्र बदलने लगे। आस्था की नींव कमजोर पड़ने लगे।

धन के प्रति हमारा नजरिया विसंगतिपूर्ण है। इस प्रक्रिया में हमारा दीपावली एवं धनतेरस मनाना कहां सार्थक रह पाया है। क्योंकि सारी सामाजिक मान्यताओं, मानवीय मूल्यों, मर्यादाओं को ताक पर रखकर कैसे भी धन एकत्र कर लेने को सफलता का मानक माने जाने लगा है जिससे राजनीति, साहित्य, कला, धर्म सभी को पैसे की तराजू पर तोला जाने लगा है। इस प्रवृत्ति के बड़े खतरनाक नतीजे सामने आ रहे हैं। समृद्धि की तथाकथित आधुनिक जीवनशैली ने जीवन मूल्यों के प्रति अनास्था को पनपाया है। समृद्धि के बदलते मायने तभी कल्याणकारी बन सकते हैं जब समृद्धि के साथ चरित्र निष्ठा और नैतिकता भी कायम रहे। शुद्ध साध्य के लिए शुद्ध साधन अपनाने की बात इसीलिए जरूरी है कि समृद्धि के रूप में प्राप्त साधनों का सही दिशा में सही लक्ष्य के साथ उपयोग हो। संग्रह के साथ विसर्जन की चेतना जागे। पदार्थ संयम के साथ इच्छा संयम हो, भोग के साथ संयम भी जरूरी है। भले हमारे पास कार, कोठी और कुर्सी न हो लेकिन चारित्रिक गुणों की काबिलियत अवश्य हो क्योंकि इसी काबिलियत के बल पर हम अपने आपको महाशक्तिशाली बना सकेंगे, तभी हमारा धनतेरस मनाना सार्थक होगा।

समृद्धि की बदलती फिजा सद्संस्कारों को शिखर दे, वैचारिक दृष्टिकोण को रचनात्मकता दे, आधुनिकता के साथ पनपने वाली बुराइयों को विराम दे, ईमान और इंसानियत बटोरते हुए आगे बढ़े। आज कहां सुरक्षित रह पाया है-ईमान के साथ इंसान तक पहुंचने वाली समृद्धि का आदर्श? कौन करता है अपनी सुविधाओं का संयमन? कौन करता है ममत्व का विसर्जन? कौन दे पाता है अपने स्वार्थों को संयम की लगाम? भले हमारे पास कार, कोठी और कुर्सी न हो लेकिन चारित्रिक गुणों की काबिलियत अवश्य हो क्योंकि इसी काबिलियत के बल पर हम अपने आपको महाशक्तिशाली बना सकेगे, तभी हमारा धनतेरस मनाना सार्थक होगा। (लेखक-ललित गर्ग/ईएमएस)

खेल-समाचार

भारत के चिराग ने अंडर-23 विश्व चैंपियशिप कुश्ती में स्वर्ण पदक जीता

तिराना (ईएमएस)। भारत के चिराग चिक्कारा ने यहां अंडर-23 विश्व चैंपियशिप कुश्ती में स्वर्ण पदक जीता है। पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में चिक्कारा ने किर्गिस्तान के अब्दिमालिक कराचोव को 4-3 से हराया। वह अमन सहरावत के बाद अंडर-23 चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष पहलवान हैं। इससे पहले सहरावत ने 2022 में इस प्रतियोगिता के इसी वजन वर्ग में स्वर्ण जीता था। रवि कुमार दहिया ने 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। चिराग ने प्री-क्वार्टर फाइनल में गौकोटो ओजावा को 6-1 से, अंतिम आठ चरण में इयुनुस इवबातीरोव को 12-2 से और सेमीफाइनल में एलन ओरलबेक को 8-0 से हराया।

चिराग की जीत के बाद पुरुषों की फ्रीस्टाइल श्रेणी में भारत के पदकों की तादाद बढ़ गयी है। उसके दो कांस्य पदक भी शामिल हैं। इससे भारतीय टीम 82 अंक लेकर टीम तालिका में ईरान (158), जापान (102) और अजरबैजान (100) से पीछे चौथे स्थान पर है। भारत ने पुरुषों की 'िस्टाइल में दो और कांस्य पदक जीते, जिससे इस वर्ग में देश के पदकों की संख्या चार हो गई। एक अन्य मुकाबले में भारत के विक्की ने पुरुषों की 97 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा में यूक्रेन के यूरोपीय जूनियर चैंपियन इवान प्राइमाचेंको को 7-2 से हराकर कांस्य पदक जीता। विक्की ने पहले दौर में जॉर्जिया के मेरब सुलेमानिश्विली को और क्वार्टरफाइनल में मोल्दोवा के राडू लेफ्टर को हराया था पर सेमीफाइनल में वह ईरान के महदी हाजीलोइयन मोराफा से हार गए थे। पुरुषों की 70 किग्रा फ्रीस्टाइल में भारत के ही सुजीत कलकल ने 0-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ताजिकिस्तान के मुस्तफो अखमेदोव को 13-4 से हराकर कांस्य पदक जीता। सुजीत ने पहले दौर में जॉर्जी एंटोनोव जिजगोव को 10-0 से, प्री-क्वार्टर में तुग्सजर्गल एर्डेनेबैट को 7-4 से और क्वार्टर फाइनल में नारेक पोहोसियन को 6-1 से हराया था पर सेमीफाइनल में वह मैगोमेद बसिहर खानिएव से 4-8 से हार गए थे। इससे पहले अभिषेक ढाका ने कांस्य पदक जीता था। इस तरह से भारत ने फ्रीस्टाइल में चार पदक (एक स्वर्ण और तीन कांस्य) जीतकर अपने पिछले साल के प्रदर्शन में सुधार किया। पिछले साल भारत ने फ्रीस्टाइल वर्ग में दो कांस्य पदक जीते थे।

अब तीसरे टेस्ट में भारतीय टीम लगाएगी पूरा जोर

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए यहां 1 नवंबर से मेहमान टीम न्यूजीलैंड के साथ होने वाला तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच बेहद अहम होगा। भारतीय टीम का लक्ष्य वानखेड़े स्टेडिमय में होने वाले इस मैच को हर हाल में जीतना रहेगा। पहले दो मैचों में हार से भारतीय टीम के हाथों से सीरीज पहले ही निकल गयी है। इसके अलावा उसके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की संभावनाओं पर भी प्रभाव पड़ा है। अब देखना है कि इस मैच में भारतीय टीम की क्या रणनीति होती है।

अब भारतीय टीम के सामने वानखेड़े में कीवी टीम के खिलाफ आखिरी टेस्ट मैच में न सिर्फ प्रतिष्ठा बचाने की चुनौती होगी, बल्कि डब्ल्यूटीसी को ध्यान में रखकर मुकाबला भी जीतना होगा। घरेलू धरती में टीम इंडिया के खराब प्रदर्शन ने कई सवाल खड़े किए हैं। इससे कोच, कप्तान और अनुभवी बल्लेबाजी विराट कोहली भी निशाने पर हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ न तो गंभीर की कोचिंग काम आई और न ही कप्तान रोहित की रणनीति। जबकि, विराट कोहली बल्ले से लगातार संघर्ष कर रहे हैं। जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी में भी वो पुरानी धार नजर नहीं आई। अब सवाल यह है कि जब खिलाड़ी ही विफल रहेंगे तो अन्य खिलाड़ियों से क्या उम्मीद की जाए। पिछले 12 साल में टीम इंडिया को अपने ही घर में पहली बार किसी टीम से टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है और अब उसके सामने एक बड़ा खतरा है क्लीन स्वीप का। न्यूजीलैंड ने तो इतिहास बना दिया लेकिन अब टीम इंडिया क्लीन स्वीप से बचना चाहेगी। अगर, कीवी टीम वानखेड़े टेस्ट भी जीतने में सफल होगी तो यह एक बड़ा रिकॉर्ड होगा क्योंकि भारतीय क्रिकेट टीम का घर पर कभी भी लगातार तीन मैच नहीं हारी है।

माना जा रहा है कि तीसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया मुंबई में 30 और 31 अक्टूबर को अभ्यास करेगी। ये सत्र सभी खिलाड़ियों के लिए अनिवार्यहोगा। रोहित, कोहली और बुमराह जैसे सीनियर प्लेयर्स को भी आराम नहीं मिलेगा।

दक्षिण अफ्रीका सीरीज में गंभीर नहीं लक्ष्मण होंगे कोच

मुम्बई (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण भारतीय टीम के मुख्य कोच बनाये जा सकते हैं। लक्ष्मण अभी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में कोच हैं। उन्हें गौतम गंभीर की जगह कोच की जिम्मेदारी दी जा सकती है। गंभीर हालांकि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में कोच रहेंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज की शुरुआत 8 नवंबर से शुरू होगी.

भारतीय टीम 8, 10, 13 और 15 नवंबर को क्रमशः डरबन, गेबेरा, सेंचुरियन और जोहान्सबर्ग में चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। टीम 4 नवंबर के आसपास रवाना होगी। भारतीय टीम 10-11 नवंबर को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए रवाना होगी। ऐसे में गंभीर टेस्ट टीम के साथ होंगे इसलिए लक्ष्मण टी20 टीम के कोच होंगे। अन्य कोच साईराज बहुतुले, ऋषिकेश कानिटकर और सुभादीप घोष, लक्ष्मण के साथ ही कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होंगे।

बहुतुले , कानिटकर और घोष ओमान में एशिया इमर्जिंग कप टूर्नामेंट में भी भारतीय टीम के साथ थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने चार टी20 मैचों के लिए सूर्यकुमार यादव को भारतीय टीम का कप्तान बनाया है। 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी.

टी20 टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेट कीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेट कीपर), हार्दिक पांडया, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार व्यशांक, आवेश खान, यश दयाल

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का अंक प्रतिशत घटा

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंकतालिका में अभी भी नंबर एक पर बनी हुई है पर उसका अंक प्रतिशत घटा है। भारतीय टीम के पुणे टेस्ट से पहले 68.06 प्रतिशत अंक थे पर इस मैच में हारने के बाद उसके अंकों का प्रतिशत घटकर 62.82 रह गया है। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ पुणे में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 113 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के साथ ही भारतीय टीम ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज भी खो दी।

अंक तालिका में भारतीय टीम अब भी पहले स्थान पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर बरकरार है हालांकि अभी ये नहीं कहा जा सकता है कि कौन सी दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी, क्योंकि अभी भी पांच टीमें अंक तालिका के अनुसार फाइनल की रेस में बनी हुई हैं। अभी तक केवल वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और बांग्लादेश ही फाइनल की रेस से बाहर हुइ हैं। नियमों के अनुसार अगर कोई टीम 60 प्रतिशत अंकों पर अपना अभियान समाप्त करती है, तो उसके फाइनल में पहुंचने की संभावनाएं बनी रहेगी। भारतीय टीम ने पिछली बार 58.8 प्रतिशत अंकों के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था पर उसके फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों 209 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। अभी भारतीय टीम के 13 मैचों में 8 जीत, 4 हार और 1 ड्रॉ के साथ 98 अंक हैं। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई टीम के 12 मैचों में 8 जीत, 3 हार और 1 ड्रॉ के साथ 90 अंक हैं। अभी अब 20 टेस्ट मैच बचे हैं, ऐसे में फाइनल की रेस कठिन होना तया है।

भारतीय टीम के 62.82 प्रतिशत अंक हैं और उसे अब न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी टेस्ट जीतना होगा। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया को अपनी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 3-2 से हराना होगा। वहीं ऑस्ट्रेलिया के 62.50 प्रतिशत अंक हैं और वह दूसरे नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया को फाइनल नल में पहुंचने अपने बाकी सात मैचों में से पांच जीतने की आवश्यकता है। श्रीलंका के 55.56 प्रतिशत अंक हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ 2-0 से जीत के बाद, श्रीलंका को चार मैच और खेलने हैं। यदि वे सभी जीतते हैं, तो उनका प्रतिशत 69.23 पहुंच जाएगा।न्यूजीलैंड 50.00 प्रतिशत के साथ ही फाइनल की रेस में बनी हुई है। भारत के खिलाफ दो जीत से कीवी टीम की उम्मीदें बढ़ी हैं।

सीए ने पाकिस्तान दौरे के लिए घोषित किया ऑस्ट्रेलियाई दल

सिडनी (ईएमएस)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने पाकिस्तान दौरे के लिए 13 सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई दल की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम अगले माह होने वाले इस दौरे में एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी। हैरानी की बात ये है कि ऑस्ट्रेलिया ने टी20 टीम के लिए कप्तान के नाम की घोषणा नहीं की है। टी20 सीरीज 14 से 18 नवंबर तक खेली जाएगी जबकि इसके तुरंत बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी शुरु होगी। ऑस्ट्रेलिया के नियमित टी20 कप्तान मिचेल मार्श भी भारत के खिलाफ टेस्ट की तैयारियों में लगे हैं। माना जा रहा है कि इसीलिए सीए ने टी20 टीम के लिए 13 खिलाड़ियों का एक स्क्वॉड घोषित किया है, इसमें से किसी भी खिलाड़ी ने इससे पहले कप्तानी नहीं की है।

नेमनूक पर पलने वाले खबरची अकेले नहीं

मीडिया की दुनिया की अच्छी-बुरी खबरें जारी करने वाले भड़ास मीडिया के जरिये कुछ लोगों ने मप्र के उन पत्रकारों को लांछित करने की कोशिश की है ,जो परिवहन विभाग की और से बांटे जाने वाले नेमनूक से अपना जेबखर्च चलाते हैं। नेमनूक का मतलब धर्मस्व विभाग में पुजारियों को दी जाने वाली राशि होता है। ये नाममात्र की होती है ,लेकिन रियासतों के जमाने से लेकर अबतक बांटी जा रही है।

सब जानते हैं कि आबकारी,सिंचाई, लोनिवि और परिवहन जैसे विभागों में पत्रकारों के साथ ही नौकरशाहों,जन= प्रतिनिधियों को नेमनूक वितरित किये जाने की परम्परा है। ऊपरी कमाई करने वाले विभागों में नेमनूक बाँटने के काम को लेकर कोई दूसरा काम ईमानदारी से नहीं होता। नेमनूक राजनितिक दलों ,दलों के जिले से लेकर प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों , भाप्रसे ,भापुसे और राप्रसे के अफसरों के साथ ही सिपाही स्तर तक समान रूप से वितरित किया जाता है। मुझे इसका पता इसलिए है क्योंकि आज से कोई तीस साल पहले मेरे एक परिचित पुलिस इंस्पेक्टर परिवहन महकमे में प्रतिनियुक्ति पर गए थे और उन्होंने मुझे उस समय 300 रूपये का नेमनूक दिया था। उस समय मेरा वेतन कोई 6 हजार रूपये हुआ करता था।

पहले नेमनूक हमारे जैसे आर्थिक रूप से कमजोर पत्रकारों पर अनुकम्पा कर दिया जाता था। लेकिन बाद में पत्रकारों के लिए ये नियंत व्यवस्था बन गयी। पत्रकार इतने कम या ज्यादा नेमनूक के बदले भ्र्ष्टाचार की और से अपनी आँखें बंद कर लें ऐसा कभी नहीं हुआ। मुझे तो पहली बार पता चला कि नेमनूक पत्रकार की हैसियत के हिसाब से तय होता था। आजकल ये नेमनूक बंद है क्योंकि अब प्रदेश में नयी सरकार ने परिवहन चौकियां बंद करा दीं हैं। ऐसे में नेमनूक ले चुके पत्रकारों के नामों की फेहरिश्त जारी करने का एकमात्र मतलब पत्रकारों का मान-मर्दन करना है। । मुझे ये स्वीकार करने में कोई गुरेज नहीं है कि पत्रकार नेमनूक लेते है। मैंने भी लिया है लेकिन मेरे जैसे तमाम पत्रकारों को आज भी नेमनूक देने वाले शायद शक्ल से नहीं पहचानते ,क्योंकि ये काम करने वाले सभी हाथ अदृश्य होते हैं। अंगूठा छाप होते हैं, उनका लिखने -पढ़ने से कोई वास्ता नहीं होता। वे केवल एजेंट होते है। परिवहन महकमे के ,केंद्रीय और राज्य के मंत्रियों के। ये नेताओं और अधिकारीयों का हिस्सा तो हड़प नहीं पाते किन्तु पत्रकारों के नेमनूक में भांजी जरूर मार देते थे।

पत्रकारों को नेमनूक बाँटने की प्रथा सनातन है । हर सत्ता इसका पालन करती है ,हाँ सभी के तरीके अलग-अलग होते हैं। कोई नेमनूक को नजराना कहता है तो कोई सप्रेम भेंट ,कोई इसे शुकराना कहता है तो कोई बख्शीस। लेकिन ये किसी का जन्मसिद्ध अधिकार नहीं है । ये सौ फीसदी अनुकम्पा है। ये आपको नगद सम्मान के रुप में भी मिल सकती है । आवासीय भूखंड के रूप में भी । कार के रूप में भी और उपहार के रूप में भी। चिकित्सा सहायता के रूप में भी मिल सकती है और पर्यटन पैकेज के रूप में भी। विज्ञापन के रूप में मिल सकती है या आपकी किताब खरीद कर । ये मुग़लों के समय भी मिलती थी और अंग्रेजों के समय भी । कांग्रेस के समय भी मिलती थी और भाजपा के समय में भी।

मेरा एक पत्रकार के रूप में लंबा तजुर्बा है इसलिए मुझे ये कहने में कोई ऐतराज नहीं है कि आज का समाज संतों का समाज नहीं है । संतों को दी जाने वाली बख्शीस की भी एक फेहरिश्त है। नौकरशाहों की भी है और माननीय नेतागणों की भी। सब मिल-बांटकर प्रसादम पाते है । कोई दूध का धुला नहीं है । न मै ,न मेरी बिरादरी । न नेताओं का कुनवा और न नौकरशाहों का कुनवा। यदि ऐसा होता तो नौकरशाहों के घर से 300 करोड़ की नगदी न मिलती, यदि ऐसा होता तो किसी नौकरशाह,किसी अख़बार मालिक के घरों पर छापा न पड़ता ,यदि ऐसा होता तो अकेले तनख्वाह पाने वाले तमाम खबरची ,नेता और अफसर फार्म हाउसों ,खदानों ,क्रेशरों के मालिक न होते। घर में दीपावली पर आने वाली आतिशबाजी और मिठाई भी एक तरह का नेमनूक है भाई ! यानि हरि अनंत ह्री कथा अनंता है। किसी ने खुन्नस निकलने के लिए नेमणूक पाने गरीब पत्रकारों के नाम उजागर कर दिए ,लेकिन उसने अपनी माँ का इतना दूध नहीं पिया था कि वो इसी नेमनूक पाने वाले नेताओं,विधायकों और नौकरशाहों के नामों की सूची भी भड़ास -4 को दे पाता ।

जिन महानुभावों का नाम इस फेहरिश्त में नहीं है वे ,आप मान लीजिये कि सूचीबद्ध पत्रकारों से दस गुना ज्यादा नेमनूक पा रहे हैं। इसलिए दुग्ध स्नान करने का दावा करने वाले सभी बगुला - भगत हैं । इस सूची में मेरा नाम भी शुमार है लेकिन ढंग से नहीं है । मुझे अफ़सोस है कि मेरा मूल्यांकन न आजतक किसी सरकार ने सही किया और न नेमनूक बाँटने वालों ने ,लेकिन मैं न ग्लानि से भरा हूँ और न मैंने अपना सत्ता प्रतिष्ठान विरोधी अपना चेहरा बदला ह। मै 2016 से पत्रकारिता की दुनिया को अलविदा कह चूका हूँ। एक स्वतनत्र लेखक हूँ । अपने पाठकों से एक रुपया माँगता हूँ और हजारों रूपये पा रहा हूँ। मेरा डंका कल भी बज रहा था,आज भी बज रहा है और बाखुदा कल भी बजेगा। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

धनतेरस से दीपावली का शंखानंद-भाई दूज तक पंचदिवसीय महापर्व शुरू

वैश्विक स्तरपर अगर हम गहराई से देखें तो भारत में करीब करीब हर दिन किसी न किसी पर्व को मनाने का होता है। कभी सामाजिक जातीय धार्मिक, राष्ट्रीय तो कभी चुनावी महापर्व जैसे 20 नवंबर 2024 को महाराष्ट्र और झारखंड का चुनावी महापर्व तथा 23 नवंबर 2024 को परिणाम आने का महापर्व मनाने का दिन है, इन त्योहारों का एक महत्वपूर्ण भाव अनेकता में एकता है,इसके कारण ही भारत एक विशालकाय जनसंख्या वाला देश विभिन्न धर्मो जातियों उपजातियों के बीच सर्वधर्म सद्भाव के प्रेम से संजोया हुआ एक खूबसूरत गुलदस्ता है,इसीलिए ही हर धर्म समाज का पर्व हर दिन आनास्वाभाविक है। परंतु उन कुछ पर्वों में से धनतेरस से दीपावली और फिर छठ महापर्व एक ऐसा खूबसूरत त्यौहार पर्व है जिसे भारत में ही नहीं पूरी दुनियाँ में बसे भारतवंशियों द्वारा बड़े धूमधाम से मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 29 अक्टूबर 2024 से हो गई है जो 5 दिन तक बड़ी सौहार्दपूर्ण के साथ और खुशियों के साथ मनाया जा रहा है, फिर अब दीपावली के छठवें दिन से छठ पर्व मनाया जाएगा, जो धार्मिक आस्था का खूबसूरत प्रतीक है। चूंकि दीप जले दीपावली आई, धनतेरस ने दीपावली का आगाज़ कर दिया है और पांच दिवसीय दीपावली पर्व का धनतेरस के भावपूर्ण स्वागत से शुरू हो गया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे दुनियां के हर देश में बसे भारतवंशी धनतेरस से भाई दूज तक फिर छठ के महात्योहार में खुशियों से सराबोर होकर पूर्ण तृप्ति होंगे।

साथियों बात अगर हम दीपावली महापर्व की शुरुआत धनतेरस मंगलवार 29 अक्टूबर 2024 से शुरू होने की करें तो, दीपावली का शुभारंभ धनतेरस के दिन से ही हो जाता है और भाई दूज तक यह 5 दिवसीय उत्सव मनाया जाता है। सबसे पहले धनतेरस, फिर नरक चतुर्दशी, उसके बाद बड़ी दिवाली, फिर गोवर्द्धन पूजा और सबसे आखिर में भाई दूज पर इस पर्व की समाप्ति होती है।धनतेरस इस बार आज 29 अक्टूबर 2024 को मनाई जा रही है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस मनाई जाती है। पौराणिक मान्यताओं में यह बताया गया है कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को समुद्र मंथन से भगवान धनवंतरी प्रकट हुए थे और उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। उन्हें विष्णु भगवान का अवतार माना जाता है। धनतेरस को उनके प्राकटयोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन धन के देवता कुबेरजी और धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और सोने-चांदी के अलावा बर्तनों की खरीद करते हैं। धनतेरस को लेकर ऐसी मान्यता है कि इस दिन खरीदी गईवस्तुओं में 13 गुना वृद्धि होती है और हमको धन की कमी नहीं होती।मृत जीवित हो आता था।विधाता के कार्य में यह बहुत बड़ा व्यवधान पड़ गया। सृष्टि में भयंकर अव्यवस्था उत्पन्न होने की आशंका के भय से देवताओं ने इन्हें छल से लोप कर दिया। वैद्यगण इस दिन धन्वंतरी जी का पूजन करते हैं और वर मांगते हैं कि उनकी औषधि व उपचार में ऐसी शक्ति आ जाए जिससे रोगी को स्वास्थ्य लाभ हो। सद्गृहस्थ इस दिन अमृत पात्र को स्मरण कर नए बर्तन घर में लाकर धनतेरस मनाते हैं। आज के दिन ही बहुत समय से चले आ रहे मनो मालिन्य को त्याग कर यमराज ने अपनी बहिन यमुना से मिलने हेतु स्वर्ग से पृथ्वी की ओर प्रस्थान किया था। गृहणियां इस दिन से अपनी देहरी पर दीपक दान करती हैं, जिससे यमराज मार्ग में प्रकाश देखकर प्रसन्न हों और उनके गृह जनों के प्रति विशेष करुणा रखें। इस वर्ष यह पर्व 29 अक्टूबर 2024 ई? मंगलवार को मनायाजा रहा है, इसी दिन प्रातः सूर्यादय से ही त्रयोदशी तिथि का आगाज हुआ ।अतः उदय व्यापिनी त्रयोदशी होने के कारण प्रदोष व्रत के साथ-साथ प्रदोष काल में दीपदान का अति विशेष महत्व रहेगा।

साथियों बात अगर हम पांच दिवसीय दीपावली महापर्व की करें तो (1) पहला दिन - पहले दिन को धनतेरस कहते हैं। दीपावली महोत्सव की शुरुआत धनतेरस से होती है। इसे धन त्रयोदशी भी कहते हैं। धनतेरस के दिन मृत्यु के देवता यमराज, धन के देवता कुबेर और आयुर्वेदाचार्य धन्वंतरि की पूजा का महत्व है। इसी दिन समुद्र मंथन में भगवान धन्वंतरि अमृत कलश के साथ प्रकट हुए थे और उनके साथ आभूषण व बहुमूल्य रत्न भी समुद्र मंथन से प्राप्त हुए थे। तभी से इस दिन का नाम धनतेरस पड़ा और इस दिन बर्तन, धातु व आभूषण खरीदने की परंपरा शुरू हुई। इसे रूप चतुर्दशी भी कहते हैं। (2) दूसरा दिन - दूसरे दिन को नरक चतुर्दशी रूप चौदस और काली चौदस कहते हैं। इसी दिन नरकासुर का वध कर भगवान श्रीकृष्ण ने 16,100 कन्याओं को नरकासुर के बंदीगृह से मुक्त कर उन्हें सम्मान प्रदान किया था। इस उपलक्ष्य में दीयों की बारात सजाई जाती है। इस दिन को लेकर मान्यता है कि इस दिन सूर्योदय से पूर्व उबटन एवं स्नान करने से समस्त पाप समाप्त हो जाते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है। वहीं इस दिन से एक ओर मान्यता जुड़ी हुई है जिसके अनुसार इस दिन उबटन करने से रूप व सौंदर्य में वृद्धि होती है। इस दिन पांच या सात दीये जलाने की परंपरा है। इस बार यह पर्व 30 अक्टूबर 2024 बुधवार को मनाया जाएगा। (3) तीसरा दिन-अब आता है इस लड़ी के मध्य दैदीप्यमान मंजूषा का उल्लास और उत्साह से भरा महान पर्व दीपावली और महालक्ष्मी पूजन तीसरे दिन को दीपावली कहते हैं। यही मुख्य पर्व होता है। दीपावली का पर्व विशेष रूप से मां लक्ष्मी के पूजन का पर्व होता है। कार्तिक माह की अमावस्या को ही समुद्र मंथन से मां लक्ष्मी प्रकट हुई थीं जिन्हें धन, वैभव, ऐश्वर्य और सुख समृद्धि की देवी माना जाता है। अतः इस दिन मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए दीप जलाए जाते हैं ताकि अमावस्या की रात के अंधकार में दीपों से वातावरण रोशन हो जाए।दूसरी मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान रामचन्द्रजी माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ 14 वर्षों का वनवास समाप्त कर घर लौटे थे। श्रीराम के स्वागत हेतु अयोध्या वासियों ने घर-घर दीप जलाए थे और नगरभर को आभायुक्त कर दिया था। तभी से दीपावली के दिन दीप जलाने की परंपरा है। 5 दिवसीय इस पर्व का प्रमुख दिन लक्ष्मी पूजन अथवा दीपावली होता है।इस दिन रात्रि को धन की देवी लक्ष्मी माता का पूजन विधिपूर्वक करना चाहिए एवं घर के प्रत्येक स्थान को स्वच्छ करके वहां दीपक लगाना चाहिए जिससे घर में लक्ष्मी का वास एवं दरिद्रता का नाश होता है। इस दिन देवी लक्ष्मी, भगवान गणेश तथा द्रव्य, आभूषण आदि का पूजन करके 13 अथवा 26 दीपकों के मध्य 1 तेल का दीपक रखकर उसकी चारों बातियों को प्रज्वलित करना चाहिए एवं दीपमालिका का पूजन करके उन दीपों को घर में प्रत्येक स्थान पर रखें एवं 4 बातियों वाला दीपक रातभर जलता रहे, ऐसा प्रयास करें। (4) चौथा दिन - इस लड़ी का चौथा माणिक है कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा। यह पर्व भारत की कृषि-प्रधानता,पशुधन उद्योग व व्यवसाय का प्रतीक है। इसी दिन श्री कृष्ण ने अंगुली पर गोवर्धन पर्वत को छत्र की तरह धारण करके वनस्पति तथा लोगों की इंद्र के प्रकोप से रक्षा की थी। यह गोवर्धन पर्व अन्नकूट के नाम से विख्यात है। इस दिन नाना प्रकार के खाद्यान्न बनाए जाते हैंघी, दूध, दही से युक्त इनका भोग भगवान को लगाया जाता है। शिल्पकार व श्रमिक वर्ग आज के दिन विश्वकर्मा का पूजन भी श्रद्धा भक्तिपूर्वक करते हैं। आज चहुंमुखी विकास और वृद्धि की कामना से दीप जलाए जाते हैं। इस वर्ष यह पर्व 2 नवंबर 2024, शनिवार को मनाया जाएगा।कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट उत्सव मनाना जाता है। इसे पड़वा या प्रतिपदा भी कहते हैं। खासकर इस दिन घर के पालतू बैल, गाय, बकरी आदि को अच्छे से स्नान कराकर उन्हें सजाया जाता है। फिर इस दिन घर के आंगन में गोबर से गोवर्धन बनाए जाते हैं और उनका पूजन कर पकवानों का भोग अर्पित किया जाता है। इस दिन को लेकर मान्यता है कि त्रेतायुग में जब इन्द्रदेव ने गोकुलवासियों से नाराज होकर मूसलधार बारिश शुरू कर दी थी, तब भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर गांववासियों को गोवर्धन की छांव में सुरक्षित किया। तभी से इस दिन गोवर्धन पूजन की परंपरा भी चली आ रही है। (5) पांचवां दिन - माला का पांचवा चमकता पर्व आता है- स्नेह, सौहार्द व प्रीति का प्रतीक यम द्वितीया अथवा भैया-दूज। इस दिन कार्तिक शुक्ल को यमराज अपने दिव्य स्वरूप में अपनी भगिनि यमुना से भेंट करने पहुंचते हैं।इस दिन को भाई दूज और यम द्वितीया कहते हैं। भाई दूज, पांच दिवसीय दीपावली महापर्व का अंतिम दिन होता है। भाई दूज का पर्व भाई-बहन के रिश्ते को प्रगाढ़ बनाने और भाई की लंबी उम्र के लिए मनाया जाता है। रक्षाबंधन के दिन भाई अपनी बहन को अपने घर बुलाता है जबकि भाई दूज पर बहन अपने भाई को अपने घर बुलाकर उसे तिलक कर भोजन कराती है और उसकी लंबी उम्र की कामना करती है।इस दिन को लेकर मान्यता है कि यमराज अपनी बहन यमुनाजी से मिलने के लिए उनके घर आए थे और यमुनाजी ने उन्हें प्रेमपूर्वक भोजन कराया एवं यह वचन लिया कि इस दिन हर साल वे अपनी बहन के घर भोजन के लिए पधारेंगे। साथ ही जो बहन इस दिन अपने भाई को आमंत्रित कर तिलक करके भोजन कराएगी, उसके भाई की उम्र लंबी होगी। तभी से भाई दूज पर यह परंपरा बन गई।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि धनतेरस से दीपावली का शंखानंद,भाई दूज तक पंचदिवसीय महापर्व शुरू।दीप जले दीपावली आई - 5 दिवसीय महापर्व - धनतेरस से दीपावली पर्व का आगाज़। दुनियां के हर देश में बसे भारतवंशी धनतेरस से भाई दूज तक फिर छठ महात्योहार में खुशियों से सरोबार होंगे। (लेखक-किशन सनमुखदास भावनानी / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8172

बाएँ से दाएँ

1.सरस्वती-3
3.किनारा,तट-3
5.मूल्य,कीमत-2
6.उस समय-2
8.प्रबंध,व्यवस्था-4
10.नमक-3
11.अधीन,मातहत-3
12.संज्ञा,संबोधन-2
13.मार्ग,रास्ता-2
14.तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
16.धुन,आसक्ति-3
18.जमानत-4
20.रहस्य-2
22.पुत्र,तनय-2
23.मुलायम-3
24.गंवार,अनपढ़-3

ऊपर से नीचे

1.संध्या,सांझ-2
2.असुर,दैत्य-3
3.शोरबा,रसा-3
4.बुरी आदत-2
5.प्रवेश,एडमिट-3
7.वर यात्रा,दूल्हे का जुलूस-3
8.प्रियतम,साजन-4
9.अनाज-2
11.सनसनी,रोमांच-4
14.तृतीय-3
15.सच्चाई,सत्य-2
17.जिसकी नाक कटी हो, वादा फरामोश-3
18.मुंशी,दीवान-3
19.रवैया,तरीका-3
21.आम जनता-2
22.लता,लतिका-2

शब्द पहेली -8171 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद , निवेशकों को 4.5 लाख करोड़ का हुआ लाभ

मुम्मई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। वहीं गत सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव रहा था। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 602.75 अंक करीब 0.76 फीसदी बढ़कर 80,005.04 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 158.35 अंक तकरीबन 0.65 फीसदी की बढ़त के साथ 24,339.15 के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा मिडकैप, स्मॉलकैप इंडेक्स भी बढ़त पर बंद हुए।

अमेरिकी बाजारों में अनिश्चितता के कारण निवेश सतर्कता बरत रहे हैं। वहीं आज सुबह बाजार की शुरुआत हल्की तेजी के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में बीएसई का सेंसेक्स 273 अंक करीब 0.34 फीसदी बढ़कर 79,675 और एनएसई का निफ्टी 74.35 अंक तकरीबन 0.31 फीसदी ऊपर आकर 24,255 पर था।

दिवाली से पहले बाजार में आई इस तेजी के कारण निवेशकों को 4.5 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ है।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 24 के शेयर आज बढ़त पर बंद हुए। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर सबसे ज्यादा लगभग 3 फीसदी बढ़ा। ।2024-25 की दूसरी तिमाही में मुनाफा बढ़ने से बैंक के शेयर में आज उछाल देखा गया । बैंक ने शनिवार को दूसरी तिमाही के परिणाम जारी किये थे। इसके अलावा जेएसडब्ल्यू स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अदानी पोर्ट्स, टाटा स्टील, सन फार्मा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा मोटर्स और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी बढ़कर बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर दूसरी तरफ, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक और मारुति के शेयर आज नीचे आये।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में गिरावट से भी बाजार को बल मिला है। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक के शेयर में तेजी, वैश्विक बाजारों से मजबूत रुझान और घरेलू निवेशकों की लगातार खरीदारी से बाजार में उत्साह का माहौल रहा। , विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 3,036.75 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। इससे पहले आज सुबह वै?श्विक बाजारों से मिल रहे मिश्रित रुझानों की वजह से भारतीय शेयर बाजार में जारी गिरावट पर हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को ब्रेक लग गया। बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स, बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 सोमवार को बढ़त के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 410 अंक की बढ़त के साथ 79,812 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 106 अंक की बढ़त के साथ 24,286 पर कारोबार कर रहा था।

शिंजो आबे की पार्टी बहुमत से चूकी जापान में किसी को बहुमत नहीं

टोक्यो (ईएमएस)। जापान में सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी गठबंधन को संसद में बहुमत नहीं मिल पाया है। एलडीपी को सिर्फ 191 सीटें मिली हैं और उसे 65 सीटों का नुकसान हुआ है। पिछले 15 साल में पार्टी का यह सबसे खराब रिजल्ट है। एलडीपी और उसकी सहयोगी पार्टी कोमिटो को कुलमिलाकर 215 सीटें मिली हैं।

सरकार चलाने के लिए गठबंधन को 233 सीटें हासिल करनी होंगी। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने पिछले महीने पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव जीता था जिसके बाद वे देश के प्रधानमंत्री बने थे। इसके बाद इशिबा ने चुनाव कराने का ऐलान किया था।

चुनाव परिणाम के बाद जापानी पीएम ने कहा कि चुनाव परिणाम उनके पक्ष में नहीं आए हैं। जनता ने कठोर फैसला सुनाया है। वे विनम्रता से इसे स्वीकार कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल वे किसी और दल को जोडऩे की कोशिश नहीं कर रहे हैं। चुनाव से पहले जापानी मीडिया में दावा किया जा रहा था कि एलडीपी को अगर बहुमत नहीं मिला तो पीएम इशिबा पद छोड़ सकते हैं।

अमेरिका के लाख मनाने के बाद भी नहीं माना इजरायल, उड़ा दिया ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम

वाशिंगटन,(ईएमएस)। इजरायल की सेना ने शनिवार को ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमले करने का दावा किया है, जिससे दोनों देशों के बीच स्थिति और भी तनावपूर्ण हो गई है। ईरानी मीडिया के अनुसार, इजरायल ने ईरान के एक गुप्त परमाणु ठिकाने को निशाना बनाते हुए तेहरान के दक्षिण-पूर्व में स्थित एक सैन्य अड्डे की सुविधाओं को नुकसान पहुंचाया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस ठिकाने को पहले ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम से जोड़ा गया था। इस हमले को लेकर इजरायल और अमेरिका के बीच कुछ समझौते थे। इजरायल ने अमेरिका को आश्वासन दिया था कि वह ईरान के तेल संयंत्रों और नाभिकीय ठिकानों को नहीं निशाना बनाएगा। हालांकि, हालिया घटनाक्रम में इजरायल ने इस वादे को तोड़ते हुए हमले को अंजाम दिया। सेटेलाइट तस्वीरों में इस साइट पर हमले की पुष्टि हुई है।

ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण है, लेकिन पश्चिमी देशों, खासकर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, का मानना है कि तेहरान सक्रिय रूप से अपने परमाणु कार्यक्रम को विकसित कर रहा है।

इजरायल के हमले में चार ईरानी सैनिकों की मौत होने की सूचना है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इजरायली हमले को बढ़ा-चढ़ाकर बताने और उसे कम करके आंकने से मना किया है, जबकि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे सफल बताया और कहा कि इससे ईरानी सेना को गंभीर नुकसान हुआ है।

इस संघर्ष की जड़ें तब और गहरी हो गईं, जब हमास के नेता इस्माइल हानिया की हत्या ईरान में कर दी गई। हानिया, जो तेहरान में औपचारिक दौरे पर थे, एक होटल में बम धमाके में मारे गए। ईरान ने इस हत्याकांड के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराते हुए जवाबी हमले किए, जिससे तनाव और बढ़ गया। इस प्रकार, दोनों देशों के बीच संघर्ष का यह नया चरण एक गंभीर भू-राजनीतिक संकट का संकेत देता है, जिसके व्यापक प्रभाव हो सकते हैं। वैश्विक समुदाय इस स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है, क्योंकि ईरान और इजरायल के बीच बढ़ता तनाव क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए चिंता का विषय बन गया है।

उत्तरी गाजा में इजराइली हमलों में 22 लोगों की मौतः फलस्तीनी अधिकारी

गाजा(ईएमएस)। उत्तरी गाजा पर इजराइल के हमलों में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई है, जिसमें 11 महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। फलस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों के अनुसार, यह घटना शनिवार रात बेत लाहिया में हुई, जहां कई मकानों और इमारतों पर हवाई हमले किए गए। उत्तरी गाजा में इजराइल के हमले तीसरे सप्ताह भी जारी हैं, जिससे क्षेत्र में मानवीय आपदा की स्थिति बन गई है। इजराइली सेना ने दावा किया है कि उसने चरमपंथियों पर हमला किया और नागरिकों को नुकसान से बचाने के लिए कदम उठाए। हालाँकि, उसने हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं की और मीडिया द्वारा प्रकाशित आंकड़ों को गलत बताया। इस बीच, उत्तरी तेल अविव मेंएक ट्रक ने बस स्टॉप से टकराकर कई लोगों को घायल कर दिया, जिसकी जानकारी अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है।

गाजा में जारी संघर्ष के कारण हाल के महीनों में विस्थापन की लहर तेज हो गई है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए हैं और हजारों फलस्तीनी गाजा सिटी छोड़ने को मजबूर हुए हैं। इजराइल लगातार हवाई और जमीनी हमले कर रहा है, जबकि लेबनान में हिजबुल्ला के साथ भी संघर्ष जारी है। इजराइल ने हाल ही में ईरान पर हवाई हमले किए हैं, जिसका दावा किया गया है कि यह ईरान द्वारा इजराइल पर दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों का जवाब है।

ईरान के नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इस हमले को लेकर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने ईरानी लोगों की इच्छाशक्ति और ताकत के बारे में इजराइली शासन को समझाने की आवश्यकता पर बल दिया।

दिवाली पर बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य का माता-पिता रखें विशेष ध्यान

नई दिल्ली (ईएमएस)। दीवाली का त्यौहार देश में हर साल धूमधाम से मनाया जाता है। खासतौर से बच्चों के लिए यह समय बहुत खास होता है, क्योंकि वे नए कपड़े पहनते हैं, मिठाइयां खाते हैं, और पटाखों का आनंद लेते हैं। हालांकि, उत्सव के दौरान सावधानी भी जरुरी होती है, ताकि इस हंसी-खुशी के माहौल में कोई घटना नहीं हो जाए। दीवाली पर बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य का ख्याल रखकर पेरेंट्स को कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना चाहिए।

दरअसल दीवाली में बच्चों का सबसे ज्यादा ध्यान पटाखों पर रहता है। पटाखे जलाते समय बच्चों से कोई गलती नहीं हो जाए इस बात का ध्यान माता-पिता को जरुर रखना चाहिए। क्योंकि दीवाली के इस त्यौहार में आग का बहुत प्रयोग होता है। दीए और मोमबत्ती का इस्तेमाल हर घर में होता है। इसलिए जिस घर में छोटे बच्चे रहते है, वहां जबावदेही ज्यादा होती है।

दीए और मोमबत्ती जलाते समय ध्यान रखें

दीयों और मोमबत्तियों को पर्दों और जल्दी आग पकड़ने वाली वस्तुओं से दूर रखें। बिजली के तारों के पास दीए न जलाएं, उन्हें समतल सतह पर रखें। बच्चों और पालतू जानवरों को दीयों से दूर रखें। दरवाजे पर दीए रखने से बचें, ताकि गिरकर कोई चोट नहीं आए।

पटाखों से बच्चों को दूर रखें

माता-पिता इसकी की कोशिश करें कि पटाखे न फोड़ें, क्योंकि पटाखे फोड़ने से पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों पर असर पड़ता है। अगर इसके बाद भी पटाखे फोड़ने की योजना है, तब बच्चों को सिर्फ बड़ों की देखरेख में ही पटाखे जलाने दें। खुले स्थान पर पटाखे जलाएं, और एक समय में एक ही पटाखा जलाएं। सुरक्षा के लिए पास में पानी की बाल्टी रखें और पटाखों का कचरा बच्चों की पहुंच से दूर रखें।

शोर और प्रदूषण से बचावः छोटे बच्चों को तेज शोर वाले पटाखों से दूर रखना चाहिए। क्योंकि तेज आवाज से वे डर सकते हैं। बच्चों को प्रदूषित धुएं में बाहर न जाने दें, खासकर अगर उन्हें एलर्जी है। शोर को कम करने के लिए खिड़कियां और दरवाजे बंद रखें।

कपड़ों का रखें ध्यानः बच्चों के लिए आरामदायक और सूती कपड़े चुनें, जो आसानी से आग न पकड़ें। सिंथेटिक कपड़े पहनाने से बचें और उनके बाल बांधकर रखें।

जापान में एलडीपी और कोमिटो रह गई बहुमत से दूर, बनेगा नया समीकरण

टोक्यो (ईएमएस)। जापान में हालिया आम चुनाव में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) और उसके सहयोगी कोमिटो का सत्तारूढ़ गठबंधन बहुमत के आंकड़े से पीछे रह गया है। यह पहली बार है कि बीते 15 वर्षों में एलडीपी और उसके सहयोगी ने निचले सदन में अपना बहुमत नहीं पा सके है।

इससे पहले, उन्हें यह स्थिति 2009 में भी अनुभव हुई थी। चुनाव परिणामों के अनुसार, एलडीपी और कोमिटो को संसद के 465 सदस्यों वाले सदन में कुल 215 सीटें प्राप्त हुईं, जो बहुमत के लिए जरुरी 233 सीटों से कम हैं। एलडीपी ने सिर्फ 191 सीटें जीतीं, जो कि चुनाव से पहले उनके पास मौजूद 247 सीटों की तुलना में काफी कम है। वहीं, प्रमुख विपक्षी पार्टी, जापान की संवैधानिक लोकतांत्रिक पार्टी ने चुनाव में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की है,

जिससे यह पार्टी 148 सीटों पर पहुंच गई है, जबकि चुनाव से पहले उनके पास केवल 98 सीटें थीं। यह चुनाव परिणाम मीडिया की पूर्वानुमानों के अनुरूप आए हैं और यह स्लश फंड घोटाले के बाद पहला राष्ट्रव्यापी मतदान है, जिसने सत्तारूढ़ पार्टी को हिलाकर रख दिया था। इस घोटाले के कारण जनता का एलडीपी में विश्वास कम हुआ, जिसके परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा।

इस चुनाव में कुल 1,344 उम्मीदवारों ने भाग लिया, जो कि 2021 के पिछले चुनाव में 1,051 उम्मीदवारों की तुलना में अधिक हैं। इस चुनाव का महत्व इस कारण भी बढ़ गया है क्योंकि यह देश की राजनीतिक दिशा और भविष्य के लिए महत्वपूर्ण निर्णयों का संकेत देता है।

एलडीपी और कोमिटो के बहुमत खोने के बाद राजनीतिक परिदृश्य में नए बदलाव की संभावना बनाती दिख रही है, जिससे आने वाले समय में देश की राजनीति में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिलेगा हैं। विपक्षी पार्टी की बढ़ती ताकत और सहयोगी दलों की सक्रियता के चलते जापान की राजनीति में नए समीकरणों का गठन हो सकता है, जो कि भविष्य के चुनावों में और भी प्रभावी साबित हो सकता है।

कनाडा में पढ़ते हैं भारत के 2.30 लाख छात्र

ब्रिटेन को फीस से मिलते हैं 2.10 लाख करोड़

कनाडा (ईएमएस)। कनाडा में भारत के 2.30 लाख छात्र पढ़ाई करने के लिए वहां पर हैं। भारतीय छात्रों द्वारा 2.10 लाख करोड रुपए की फीस कनाडा के कॉलेज और विश्वविद्यालयों में अदा की जाती है। इसके अलावा जो छात्र वहां पढ़ने के लिए जाते हैं। वह अपने पार्ट टाइम जॉब, रहने की किराए और ट्रांसपोर्टेशन में बहुत बड़ी राशि कनाडा में खर्च करते हैं। कनाड़ा के 100 कॉलेज भारतीय छात्रों की दम पर चल रहे हैं। कनाडा की 20ञ अर्थव्यवस्था भारतीय छात्रों के कारण है।

कनाडा एंप्लॉयमेंट सर्विस 2023 की रिपोर्ट के अनुसार 2.10 लाख भारतीय छात्र कनाडा में पार्ट टाइम काम भी कर रहे हैं। कनाडा में प्रवासी छात्रों मे सबसे ज्यादा संख्या भारतीय छात्रों की है। भारतीय मूल के 28 फ़ीसदी लोग आईटी के क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

2023 तक भारतीय कंपनियों ने कनाडा में लगभग 45000 करोड रुपए का निवेश किया था। इसमें सबसे ज्यादा निवेश आईटी सेक्टर में है। कनाडा के कई उद्योगपतियों ने भारतीय कंपनियों के साथ कई अनुबंध किये हैं। ऐसी स्थिति में यदि कनाडा और भारत के कोई संबंध बिगड़ते हैं, तो कनाडा को इसका ज्यादा नुकसान होगा। ऐसा आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है।

भारतीय शेयर बाजार को लेकर बुरी खबर,चिंता में निवेशक

मुंबई,(ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार इन दिनों अनिश्चितता और उतार-चढ़ाव के दौर से गुजर रहा है। दरअसल विदेशी निवेशकों की भारी निकासी के बाद अब निवेशकों के लिए एक और चिंताजनक खबर आई है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति निवेशकों के भरोसे में कमी का संकेत दे रही है, और आने वाले समयमेंबाजार में गिरावट का सिलसिला फिर से शुरू होगा है। अक्टूबर महीने में कैश मार्केट टर्नओवर 7 महीने के निचले स्तर पर है। वर्तमान में रोजाना का कैश टर्नओवर औसतन 1.15 लाख करोड़रुपये रहा,जो पिछले महीने की तुलना में 12.5प्रतिशतकमहै।यहगिरावट निवेशकों की सर्तकता को दिखाती है,जो वैश्विक बाजार में उठापटक औरयुद्ध की तनावपूर्ण स्थिति के कारण उत्पन्न हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे निवेशकों में डर है कि बाजार में तेज गिरावट आ सकती है।

शेयर बाजार में कैश मार्केट टर्नओवर का मतलब है कि निवेशकों ने प्रतिदिन औसतन कितनी खरीद-फरोख्त की। अक्टूबर में यह आंकड़ा लगातार चौथे महीने गिर रहा है, जो दिखाता है कि निवेशकों का बाजार पर विश्वास घट रहा है। बाजार जानकारों के अनुसार, निवेशक बाजार के वैल्यूएशन को लेकर चिंतित हैं, और यही कारण है कि कैश मार्केट टर्नओवर में कमी आई है। लंबी अवधि केनिवेशकोंकी हिस्सेदारी केवल 10 प्रतिशत रह गई है, जबकि शॉर्ट टर्म निवेशकों का हिस्सा बढ़ता जा रहा है। वर्तमान में भारतीय बाजार अपने 52 सप्ताह के शीर्ष स्तर से करीब 8 प्रतिशत नीचे है, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप में 9 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस स्थिति में विदेशी निवेशकों ने लगभग 87,000 करोड़ रुपये का निवेश बाजार से निकाल लिया है, जिससे बिकवाली का दबाव बढ़ा है।

पीएम ट्रूडो की अपने ही देश में हो रहा थू-थू, उनके दावों को पुलिस कमिश्नर ने ठुकराया

टोरंटो (ईएमएस)। कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामले में कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा लगाए गए आरोपों को खुद कनाडा पुलिस कमिश्नर माइक डुहेम ने ठुकरा दिया है।

दरअसल पीएम ट्रूडो ने दावा किया था कि निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता है, लेकिन डुहेम के हालिया बयान से यह स्पष्ट हुआ है कि मामले में भारत की भूमिका को लेकर कोई पुख्ता सबूत नहीं हैं।

हालांकि, डुहेम ने बताया कि उनकी जांच कई दिशा में चल रही है और उन्होंने कहा, हम सुराग और सबूतों के आधार पर बात करते हैं। पुलिस प्रमुख का यह बयान पीएम ट्रूडो के पहले के दावों से असंगत है और कनाडा की पुलिस की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है। निज्जर को खालिस्तान आंदोलन का एक प्रमुख समर्थक माना जाता था, जबकि भारत सरकार ने उसे आतंकवादी करार दिया था। निज्जर की हत्या ने भारतीय और कनाडाई अधिकारियों के बीच संबंधों को और बिगाड़ दिया है, जिससे कूटनीतिक गतिरोध गहरा हो गया है।

कश्मीर-कश्मीर चिल्लाया पाकिस्तान

- जरदारी ने भी कश्मीर मुद्दे पर भारत को निशाना बनाते हुए की कश्मीरियों के प्रति अपने समर्थन की घोषणा

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान एक बार फिर कश्मीर मुद्दे पर काला दिवस मनाते हुए भारत के खिलाफ आक्रामक बयानबाजी कर रहा है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भारत द्वारा दिए गए कड़े जवाब के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से पीछे नहीं हटा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री मियां शहबाज शरीफ और राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने कश्मीर मुद्दे पर भारत को निशाना बनाते हुए कश्मीरियों के प्रति अपने समर्थन की घोषणा की। पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वे भारत पर कथित मानवाधिकार हनन रोकने के लिए दबाव बनाएं और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को लागू करने का आह्वान किया। जरदारी ने अपने संदेश में कश्मीरियों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए उन्हें पाकिस्तान का कूटनीतिक, राजनीतिक और नैतिक समर्थन देने की प्रतिबद्धता जताई।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी कश्मीर मुद्दे पर आक्रामक तेवर अपनाते हुए आरोप लगाया कि भारत जम्मू और कश्मीर पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 हटाकर भारत ने कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त कर दिया था, जिससे वहां की जनता के अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। शहबाज ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीरियों को उनकी आकांक्षाओं के लिए पूरा समर्थन देता रहेगा। कश्मीर मामलों के मंत्री आमिर मुकाम ने भी अपने बयान में आरोप लगाया कि भारत कश्मीर में मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने कश्मीरियों के संघर्ष का समर्थन करते हुए उन्हें बहादुर बताया और कहा कि पूरा पाकिस्तानी राष्ट्र उनके साहस को सलाम करता है। भारत के खिलाफ इस बयानबाजी के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रतिनिधियों ने पाकिस्तान को कश्मीर मुद्दे पर बार-बार उकसावे और झूठे आरोप लगाने के लिए फटकार लगाई है। भारत ने कहा है कि पाकिस्तान को अपने देश में आंतरिक समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए और सीमा पार से आतंकवाद फैलाने से बचना चाहिए।

धनतेरस से पहले घट गए सोने-चांदी के भाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिवाली और धनतेरस से पहले सोमवार को सोने-चांदी की कीमतों में तेज गिरावट आई है। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 0.44 फीसदी की गिरावट के साथ 78,187 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है, जबकि चांदी की कीमत में भी 1.00 फीसदी की गिरावट आई है, ये 96,160 रुपए प्रतिकिलो ग्राम पर कारोबार कर रही है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 1,150 रुपए लुढ़क कर 80,050 रुपए प्रति 10 ग्राम रही। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। चांदी भी बिकवाली दबाव में रही और 2,000 रुपए फिसलकर एक लाख रुपए से नीचे 99,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई। इससे पहले बृहस्पतिवार को चांदी 1.01 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आईडेंटिफिकेशन नंबर (एचयूआईडी) कहते हैं।

1,25,000 रुपए किलो तक पहुंच सकती है चांदी, 86,000 रुपए तक पहुंच सकती हैं सोने की कीमत

मुंबई (ईएमएस)। इस साल सोने की कीमत में 33 फीसदी की तेजी आई है लेकिन चांदी की कीमत में 46 फीसदी की बढ़त देखी जा चुकी है। हाल में चांदी की कीमत एक लाख रुपए प्रति किलो के पार पहुंची थी। सुर?क्षित ?निवेश के ?लिए निवेशक चांदी का रुख कर रहे हैं। साथ ही इसका इंडस्ट्रियल उपयोग भी बढ़ रहा है। यही वजह है कि इसकी कीमत में तेजी आ रही है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का कहना है कि मध्यम से लंबी अवधि में चांदी का प्रदर्शन सोने के बराबर या उससे बेहतर हो सकता है। अगले 12 से 15 महीनों में एमसीएक्स पर चांदी की कीमत 1,25,000 रुपए प्रति किलो और कॉमेक्स पर 40 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचने की उम्मीद है। फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म का कहना है कि मध्यम अवधि में सोने की कीमत 81,000 रुपए प्रति 10 ग्राम और लंबी अवधि में 86,000 रुपए तक पहुंच सकती हैं। कॉमेक्स पर सोने के मध्यम अवधि में 2,830 डॉलर और लंबी अवधि में 3,000 डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। सोना हाल के वर्षों में लगातार सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली एसेट्स में से एक रहा है। इस साल सोने की कीमतें कॉमेक्स और घरेलू बाजारों दोनों पर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। बाजार के एक जानकार ने कहा कि 2024 में बाजार की अनिश्चितताओं, दरों में कटौती की उम्मीदों, बढ़ती मांग और रुपये में गिरावट के कारण कीमतों में उल्लेखनीय तेजी आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के बाद के महीने सोने की निकट अवधि की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण होंगे। इस साल कीमती धातुओं में तेजी के दो प्रमुख कारक फेडरल रिजर्व से दरों में कटौती की उम्मीद और मध्य पूर्व में बढ़ रही भू-राजनीतिक हलचल है। दिवाली में सेंटिमेंट पॉजिटिव रहने का अनुमान है।

पाकिस्तान में चिकनगुनिया का कहर, अस्पतालों में पैर रखने की जगह नहीं

- प्रमुख अस्पतालों में हर दिन 500 से 750 नए मरीजों का किया जा रहा है इलाज

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के कराची शहर में चिकनगुनिया वायरस का प्रकोप तेज हो गया है, जिससे शहर के सरकारी अस्पताल मरीजों से भरे पड़े हैं। हालात इतने खराब हैं कि प्रमुख अस्पतालों में हर दिन 500 से 750 नए मरीजों का इलाज किया जा रहा है। चिकनगुनिया, जो एडीज एजिप्टी मच्छरों के काटने से फैलता है, ने पहले से ही लचर स्वास्थ्य प्रणाली को और कमजोर कर दिया है। मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण अस्पतालों में फर्श पर इलाज करने की नौबत आ गई है। चिकनगुनिया एक वायरल बीमारी है, जिसका नाम तंजानिया और मोजाम्बिक की किमाकोंडे भाषा के एक शब्द से लिया गया है, जिसका अर्थ विकृत हो जाना है। हाल के महीनों में बुजुर्गों और मधुमेह के मरीजों में इस बीमारी के गंभीर मामले सामने आए हैं, जिससे कई मरीज लकवा और कुछ कोमा में चले गए हैं। इसके साथ ही हृदय और आंखों संबंधी बीमारियों के लक्षण भी देखे जा रहे हैं। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार मई से सितंबर के बीच कराची में 172 मरीजों का पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन (पीसीआर) टेस्ट पॉजिटिव आया है। हालांकि, असली मामले इससे कहीं ज्यादा हो सकते हैं, क्योंकि कई मरीज बिना परीक्षण के ही इलाज करा रहे हैं। डॉक्टर अक्सर लक्षण देखकर ही इलाज शुरू कर रहे हैं, जिससे मरीजों का प्लेटलेट काउंट गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। इस बीच सरकारी सहायता की कमी ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया है। पाकिस्तान में निजी इलाज की लागत अत्यधिक है, जिससे गरीब मरीजों के लिए उपचार कराना मुश्किल हो रहा है। कराची के सरकारी अस्पतालों में चिकनगुनिया के लिए अलग वार्ड की व्यवस्था नहीं है, जबकि मरीज सामान्य वार्ड में इलाज करा रहे हैं। सिंध संक्रामक रोग अस्पताल और अनुसंधान केंद्र के एक अ?धिकारी ने चेतावनी दी है कि चिकनगुनिया और डेंगू का प्रकोप दिसंबर तक जारी रह सकता है। इस स्थिति में पाकिस्तान की स्वास्थ्य प्रणाली को तत्काल सहायता और सुधार की आवश्यकता है ताकि मरीजों को उचित उपचार मिल सके और महामारी के बढ़ते प्रकोप को नियंत्रित किया जा सके।

अमेरिकी चुनाव में चीनी हैकर्स का बोलबाला , नेशनल सिक्योरिटी अधिकारियों को हैक करने के सबूत मिले

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में चीन की रुचि जागृत हो गई है। चीन के हैकरों ने चुनाव अभियान के दौरान बहुत सारा डाटा हैक किया है। इस हैकिंग को चीन से जोड़ा जा रहा है। अमेरिका की टेलीकॉम कंपनियों को चीन के हैकरों ने अपना निशाना बनाया है। अमेरिका की सुरक्षा अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है

सुरक्षा अधिकारियों के हवाले से प्राप्त जानकारी के अनुसार साल्ट टायटून नामक हैकर्स की इसमें विशेष भूमिका है। अमेरिका के नेशनल सिक्योरिटी अधिकारियों के अनुसार डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी जेडी वांस के फोन हैकरों के निशाने पर हैं। चीन के हैकरों ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और डेमोक्रेटिक पार्टी के चुनाव अभियान को संचालित करने वाले स्टाफ और सीनेटर के फोन को भी निशाने पर लिया है। अमेरिका के सुरक्षा अधिकारियों का मानना है, चुनाव अभियान से जुड़ी जानकारी को चीनी हैकर्स द्वारा हैक किया जा रहा है। इसका चुनाव में किस तरह से उपयोग होगा। अभी क्या पाना मुश्किल है।

वैश्विक भुगतान में अमेरिकी डॉलर की अहम भूमिका, यूरो में गिरावट

- पिछले दो वर्षों में डॉलर का अंतरराष्ट्रीय भुगतान लेन-देन में उपयोग 9 प्रतिशत अंक बढ़ गया

- अनुसार पिछले दो वर्षों में अमेरिकी डॉलर का अंतरराष्ट्रीय भुगतान लेन-देन में उपयोग 9 प्रतिशत अंक बढ़ गया है।

मुंबई (ईएमएस)। वैश्विक भुगतान में अमेरिकी डॉलर की हिस्सेदारी 49 फीसदी तक पहुंच गई, जो 12 वर्षों में सबसे अधिक है। हाल ही में एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। स्विफ्ट रिपोर्ट के डेटा के अनुसार पिछले दो वर्षों में अमेरिकी डॉलर का अंतरराष्ट्रीय भुगतान लेन-देन में उपयोग 9 प्रतिशत अंक बढ़ गया है। इस दौरान यूरो की हिस्सेदारी 39 फीसदी से घटकर 21 फीसदी पर आ गई है, जो कि एक दशक में सबसे कम है। इसलिए अमेरिकी डॉलर वैश्विक मुद्रा के रूप में अपनी प्रमुखता बनाए रखे हुए है और यह स्थिति स्पष्ट है कि इस मामले में कोई अन्य मुद्रा इसकी तुलना में नहीं आ पा रही है। यूरो की घटती हिस्सेदारी के पीछे विभिन्न आर्थिक और राजनीतिक कारण हो सकते हैं, जिनमें यूरोपीय संघ की आर्थिक स्थिरता, व्यापार संतुलन और अन्य अंतरराष्ट्रीय घटनाएं शामिल हो सकती हैं।

इस हफ्ते बाजार में किसी नए आईपीओ की नहीं होगी लिस्टिंग

- एक नवंबर को दिवाली के उपलक्ष्य में बाजार बंद रहेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस त्योहारी हफ्ते में नए आईपीओ की उम्मीद करने वाले निवेशकों को निराशा हो सकती है, क्योंकि आगामी सप्ताह में कोई नया आईपीओ नहीं आएगा। हालांकि इस हफ्ते आठ आईपीओ की लिस्टिंग होगी, जिनमें प्रमुख नाम वारी एनर्जीज लिमिटेड का है। दिवाली के कारण इस हफ्ते शेयर बाजार में हलचल थोड़ी धीमी रहने की संभावना है। इस हफ्ते बाजार केवल चार दिन खुलेगा, क्योंकि एक नवंबर को दिवाली के उपलक्ष्य में बाजार बंद रहेगा। हालां??कि इस दिन शाम 6 बजे से 7 बजे तक एक घंटे के लिए विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र आयोजित किया जाएगा, जो निवेशकों के लिए एक शुभ अवसर माना जाता है। आठ आईपीओ की लिस्टिंग में तीन आईपीओ मेन बोर्ड पर हैं, जबकि बाकी पांच आईपीओ एसएमई (छोटे और मझोले उद्यम) सेगमेंट में हैं। मेन बोर्ड के तीन प्रमुख आईपीओ में वारी एनर्जीज, दीपक बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स, और गोदावरी बायोरिफाइनरीज लिमिटेड शामिल हैं। एसएमई सेगमेंट के पांच आईपीओ में प्रीमियम प्लास्ट लिमिटेड, दानिश पावर लिमिटेड, यूनाइटेड हीट ट्रांसफर लिमिटेड, ओबीएससी परफेक्शन लिमिटेड, और उषा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड शामिल हैं। यह आईपीओ लिस्टिंग छोटे निवेशकों के लिए अच्छा अवसर साबित हो सकती है। इसके अलावा आगामी समय में भारतीय शेयर बाजार में एक बार फिर से आईपीओ की बहार देखने को मिल सकती है। जानकारी के अनुसार, करीब 26 कंपनियाँ 72,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ लाने की योजना बना रही हैं। साथ ही, 55 अन्य कंपनियां भी सेबी की मंजूरी का इंतजार कर रही हैं, जिनके माध्यम से वे 89,000 करोड़ रुपये जुटाना चाहती हैं।

500 फीट आकार का एस्टेरॉयड धरती के करीब से गुजरेगा, नासा ने किया अलर्ट

विशेषज्ञों का मानना यदि धरती से टकराया तो मच सकती बड़ी तबाही

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। नासा ने चेतावनी दी है कि एक विशालकाय एस्टेरॉयड 28 अक्टूबर यानी सोमवार को धरती के बहुत करीब से गुजरेगा। इस खगोलीय पिंड को एस्टेरॉयड 2020 डब्ल्यूजी का नाम दिया गया है, जिसका आकार 500 फीट का है। यह एस्टेरॉयड करीब 33,947 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अंतरिक्ष में सफर कर रहा है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि यह क्षुद्रग्रह धरती के पास बिंदु पर करीब 33.3 लाख किलोमीटर की दूरी से गुजरेगा।

2020 डब्ल्यूजी को खतरनाक एस्टेरॉयड माना जा रहा है, जिसका मतलब है कि यह धरती के पास आते ही किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। हालांकि इस दूरी के कारण इस बार किसी गंभीर खतरे की आशंका नहीं है। नासा विशेषज्ञ टीम हर गतिविधि पर नजर रखे हुए है, ताकि समय रहते जरूरी कदम उठाए जा सकें।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस आकार का एस्टेरॉयड, यदि धरती से टकराता है, तो यह बड़ी तबाही ला सकता है। इसके टकराने से लाखों टन टीएनटी के बराबर ऊर्जा निकल सकती है, जो धरती के एक बड़े हिस्से पर असर डाल सकती है। ऐसे खगोलीय पिंडों पर नजर रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि इनकी टक्कर से बड़ी तबाही मच सकती है।

हाल ही में 26 अक्टूबर को एक अन्य एस्टेरॉयड 2024 टीबी2 भी पृथ्वी के पास से गुजरा था। यह एस्टेरॉयड हवाई जहाजकेआकार का था, जो पृथ्वी से केवल 11,764 किलोमीटर की दूरी पर था। इसके बावजूद वैज्ञानिकों ने उम्मीद जताई थी कि यह चंद्रमा की कक्षा से आगे निकल जाएगा और यह अनुमान सही साबित भी हुआ। भविष्य में इस प्रकार के खतरों को कम करने और संभावित आपदाओं से निपटने के लिए नासा और अन्य अंतरिक्ष एजेंसियां काम कर रही हैं।

नासा के वैज्ञानिक इस एस्टेरॉयड के अध्ययन और उस पर लगातार नजर रखे हुए हैं। इसके अलावा, नासा का एलियन जीवन की खोज से जुड़ा मिशन भी जल्द शुरू होने वाला है, जिसमें बृहस्पति के चंद्रमा पर जीवन के संकेतों की तलाश की जाएगी। ऐसे शोध न केवल धरती की सुरक्षा तय करेंगे, बल्कि अंतरिक्ष विज्ञान में नई जानकारियों को उजागर करने में भी मददगार साबित होंगे।

अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय में स्कॉलरशिप पर 64 हजार पाकिस्तानी छात्र बना रहे बेहतर भविष्य

लंदन (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय में स्कॉलरशिप किसी भी छात्र का सपना होता है जो उसके भविष्य को बेहतर बना सकता है। वर्तमान में करीब 64,000 से अधिक पाकिस्तानी छात्र दुनिया के कई अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षा पा रहे हैं, इतना ही नहीं यह संख्या हर साल बढ़ रही है। पाकिस्तानी छात्रों को सबसे अधिक अमेरिका, फिर ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया की प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों से विशेष स्कॉलरशिप्स की पेशकश होती है। कई पाकिस्तानी छात्र इन स्कॉलरशिप्स को पाने की क्षमता और योग्यता रखते हैं, लेकिन उचित तरीके और जानकारी की कमी के कारण वे सही तरीके से आवेदन नहीं कर पाते । कुछ ऐसी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों की प्रमाणित जानकारी एकत्र की गई है, जो विशेष रूप से पाकिस्तानी छात्रों को स्कॉलरशिप्स देती हैं।

यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए विशेष स्कॉलरशिप देती है। यहां एक से अधिक स्कॉलरशिप प्रोग्राम हैं, और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय पाकिस्तानी छात्रों को भी स्कॉलरशिप्स प्रदान करता है जो केवल पाकिस्तानी छात्रों के लिए होती हैं। ये स्कॉलरशिप ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय अपने कार्यक्रम ''द ऑक्सफोर्ड पाकिस्तान प्रोग्राम'' के तहत देती है, इसमें कई नामी पाकिस्तानी व्यक्ति भी लाभान्वित हो चुके हैं।

द यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्प्टन

ब्रिटेन के एक और विश्वविद्यालय, द यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्प्टन, रैंकिंग में ब्रिटेन की 11वीं और दुनिया का 80वीं सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय है। इस विश्वविद्यालय में करीब 500 छात्र विभिन्न कोर्सों में स्कॉलरशिप पर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए ''प्रेसीडेंटल स्कॉलरशिप'' और ''द ग्रेंट '' नाम से विभिन्न स्कॉलरशिप देती है। ''द ग्रेंट '' स्कॉलरशिप प्रोग्राम के तहत 10,000 पाउंड की ग्रांट के अलावा ट्यूशन फीस भी भरी जाती है। यह विश्वविद्यालय पीएचडी के लिए भी ''प्रेसीडेंटल स्कॉलरशिप प्रोगाम '' के तहत स्कॉलरशिप और ग्रांट देती है। पाकिस्तानी छात्रों के लिए विशेष प्रवेश कार्यक्रम के अलावा स्कॉलरशिप प्रोग्राम भी मौजूद हैं।

ब्रिटेन की एक और विश्वविद्यालय, जो वर्तमान में वैश्विक रैंकिंग में 78वें नंबर पर है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में करीब 400 छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। द यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो अंतरराष्ट्रीय छात्रों और पाकिस्तानी छात्रों को विज्ञान, कानून और प्रौद्योगिकी में विभिन्न कोर्सों और डिग्री के लिए स्कॉलरशिप्स ऑफर करती है। इस विश्वविद्यालय की ओर से ''द ग्रेट '' स्कॉलरशिप प्रोग्राम के तहत 10,000 पाउंड तक की पेशकश की जाती है, जबकि एक अन्य प्रोग्राम में 5,000 पाउंड की पेशकश की जाती है। इस स्कॉलरशिप, कोर्स और प्रवेश के बारे में सभी जानकारी उनकी वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

वहीं द यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर वैश्विक रैंकिंग में 34वें नंबर पर जबकि ब्रिटेन में छठे नंबर पर है। वर्तमान में करीब 225 पाकिस्तानी छात्र इस विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। द यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर ग्रेजुएशन के लिए मेरिट पर 100 स्कॉलरशिप की पेशकश करती है, जिसमें तीन साल के कोर्स के लिए लगभग 24,000 पाउंड की ग्रांट दी जाती है। यह स्कॉलरशिप दक्षिण एशियाई छात्रों के लिए है। यह विश्वविद्यालय मास्टर प्रोग्राम के लिए 230 स्कॉलरशिप की पेशकश करता है।

द यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम

द यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम की वैश्विक रैंकिंग 85वीं है, जबकि ब्रिटेन में इसकी रैंकिंग 12वीं है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में लगभग 400 छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। द यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम ज्यादातर बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और इंजीनियरिंग के प्रोग्राम के लिए स्कॉलरशिप्स ऑफर करती है।

पीएम मोदी के गुजरात दौरे को लेकर प्रदर्शनकारियों को नजरबंद किया गयाः कांग्रेस

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज टाटा फैक्ट्री का उद्घाटन करने के लिए वडोदरा आ रहे हैं। इसके बाद वे अमरेली के लिए रवाना होने वाले हैं. वहीं, पीएम के दौरे के दौरान वडोदरा-अमरेली में किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए करणी सेना के प्रवक्ता को नजरबंद कर दिया गया है. उधर, अमरेली में एक के बाद एक कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है. इसे लेकर कांग्रेस और करणी सेना में नाराजगी देखी गई है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज (28 अक्टूबर) अपने गुजरात दौरे पर वडोदरा में टाटा फैक्ट्री का उद्घाटन करने के बाद अमरेली रवाना होने वाले हैं। किसी भी विरोधप्रदर्शन को रोकने के लिए करणी सेना के प्रवक्ता को रविवार दोपहर (27 अक्टूबर) से पुलिस सुरक्षा में रखा गया था। जिससे वे किसी कार्यक्रम में नहीं जा सकें. वडोदरा में पिछले कुछ समय से स्थानीय नेतृत्व के खिलाफ लोगों में काफी गुस्सा है. तीन बाढ़ के बाद सिस्टम की विफलता पर लोगों ने दुख जताया है. करणी सेना के प्रवक्ता महेंद्र सिंह राठौड़ ने सार्वजनिक तौर पर सिस्टम व्यवस्था की विफलता का ठीकरा फोड़ा.

रविवार दोपहर से ही महेंद्रसिंह राठौड़ के साथ दो पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए, ताकि वह प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के दौरान कोई विरोध न जता सकें. पूरी रात और अब भी वे पुलिसकर्मियों की शरण में हैं। चूँकि उसे फैक्ट्री में श्रमिकों को भुगतान करने के लिए गोरवा जाना था, इसलिए दो पुलिसकर्मी उसके साथ गोरवा गए। प्रधानमंत्री के वडोदरा छोड़ने तक करणी सेना के प्रवक्ता को भी अकेला नहीं छोड़ा जाएगा.

कांग्रेस नेता शक्ति सिंह गोहिल ने एक्स पर ट्वीट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष किया. उन्होंने लिखा कि 'जब आप गुजरात पहुंचेंगे तो मैं आपका स्वागत करता हूं और आपको सूचित करता हूं कि आपकी पुलिस ने रविवार (27 अक्टूबर) से वडोदरा में कई जागरूक नागरिकों को नजरबंद कर दिया है। विश्वामित्री का पानी वडोदरा में आया और जब तबाही मची तो आप वहां पहुंचे होते तो आपको सच्चाई पता होती.'

इसके अलावा उन्होंने कहा है, 'प्राकृतिक जल निकासी व्यवस्था पर दबाव हटाने और उचित मुआवजे का आदेश देने का अनुरोध करें.' 'किसान आज बड़ी मुसीबत में हैं. जब कोई किसान आत्महत्या करने पर मजबूर हो गया हो तो उसे पर्याप्त मुआवजा देना जरूरी है। अगस्त माह में जो 350 करोड़ की घोषणा की गई थी, वह भी किसानों के साथ कर दी गई है। मेरी मांग है कि सरकार को उन किसानों, व्यापारियों, झुग्गी-झोपड़ियों के श्रमिकों और नागरिकों की उदारतापूर्वक मदद करनी चाहिए जिनके घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं और क्षति के लिए पर्याप्त मुआवजा प्रदान करना चाहिए। फसल बीमा के नाम पर भी बहुत नुकसान हुआ है. क्यों पी.एम. 'किसान योजना से बाहर?'

गुजरात प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष जानीबेन थुम्मर ने एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि 'जब प्रधानमंत्री अमरेली आ रहे हैं तो हमारे कार्यकर्ताओं को एक के बाद एक गिरफ्तार किया जा रहा है. गिरफ्तारी तो समझ में आती है, लेकिन गिरफ्तारी का कानून क्या है? इसे समझाना होगा.' इसके अलावा उन्होंने कार्यकर्ताओं से जेल के वीडियो भी भेजने को कहा है.

एमएसएमई के द्वारा 18,000 पुर्जों का निर्माण होगा, युवाओं को मौका मिलेगा : पीएम मोदी

वडोदरा, (ईएमएस)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को गुजरात के वडोदरा में सी-295 विमान निर्माण सुविधा का उद्घाटन किया, इससे भारत की वैश्विक एयरोस्पेस निर्माण क्षमता को और मजबूती होगी। यह महत्वपूर्ण कदम मेक इन इंडिया पहल के तहत उठाया गया है और इस टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) और एयरबस स्पेन के सहयोग से स्थापित किया गया है। उद्घाटन समारोह में स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज भी मौजूद थे, जिन्होंने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने के उद्देश्य से यह यात्रा की। पीएम मोदी ने कहा कि 'मेड इन इंडिया' टाटा-एयरबस सी-295 विमान को भविष्य में निर्यात किया जाएगा, इससे भारत की विमानन उद्योग में संभावनाएं और बढ़ेंगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि इस संयंत्र में भारत की माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज (एमएसएमई) द्वारा करीब 18,000 पुर्जों का निर्माण होगा। यह पहल नए रोजगार के अवसर भी उत्पन्न करेगी, जिससे युवाओं को काम मिलेगा। मोदी ने जोर दिया कि वडोदरा अब एक प्रमुख विमानन केंद्र के रूप में उभर रहा है। इस संयंत्र का उद्घाटन करते हुए पीएम मोदी ने कहा, यह संयंत्र भारत-स्पेन साझेदारी को एक नई दिशा देगा। यह भारत को अंतर्राष्ट्रीय विमानन क्षेत्र में एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में स्थापित करेगा। उन्होंने हाल ही में भारत के उद्योगपति रतन टाटा के निधन का भी उल्लेख कर कहा, अगर वे आज हमारे साथ होते, तब उन्हें बहुत गर्व होता।

पीएम मोदी ने कहा, हम भारत को विमानन और एयरोस्पेस का प्रमुख केंद्र बनाना चाहते हैं, ताकि मेड इन इंडिया सिविल एयरोस्पेस उत्पादों का रास्ता खुल सके। वडोदरा में स्थापित यह संयंत्र भारत में निजी क्षेत्र का पहला सैन्य विमान असेंबली संयंत्र है। सी-295 कार्यक्रम के तहत कुल 56 विमानों का निर्माण होना है, जिसमें से 16 विमान स्पेन से सीधे एयरबस कंपनी द्वारा भेजे जाएंगे, जबकि शेष 40 विमान वडोदरा में बनाए जाएंगे।

अजवारोड बंगले में परिवार को बंधक बनाकर 11.75 लाख की डकैती, पांच लुटेरे गिरफ्तार

वडोदरा ,28 अक्टूबर

वडोदरा के अजवा रोड इलाके में स्थित एक बंगले में फैक्ट्री मालिक और उसके परिवार को बंधक बनाकर 11.75 लाख रुपये की डकैती की वारदात को वडोदरा पुलिस ने सुलझाने में सफलता हासिल की है. पुलिस ने मास्टरमाइंड समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और चार लुटेरों की तलाश जारी है. पुलिस ने लुटेरों द्वारा प्रयुक्त रिक्शा भी जब्त कर लिया है। लुटेरों को गिरफ्तार कर रिमांड पर लेने का प्रयास शुरू कर दिया गया है.

अजवा रोड की नवजीवन सोसायटी में रहने वाले और सरदार एस्टेट में एक फैक्ट्री के मालिक अशोक कुमार सिंघल 19 अक्टूबर की रात अपने परिवार के साथ सो रहे थे, तभी लुटेरों ने हमला कर दिया लुटेरों ने शिकायतकर्ता और उनके बेटे को बंधक बना लिया और उनके पहने हुए गहनों सहित कुल 11.75 लाख लूट लिए। उन्हें एक कमरे में बंद कर गिरोह फरार हो गया। लुटेरों ने चेहरे पर काला कपड़ा और काला चश्मा पहन रखा था।

चोरों के गिरोह द्वारा हमला करने की अफवाहों पर ध्यान न देने के लिए, पुलिस माहौल में बैठकें करके अपील कर रही थी, जबकि लुटेरों के गिरोह ने एक सनसनीखेज डकैती की थी. वडोदरा पुलिस आयुक्त ने अपराध शाखा, पीसीबी सहित नौ टीमों को काम पर लगाया था। , एसओजी। पुलिस ने वडोदरा के सभी सीसीटीवी कैमरे और मोबाइल सर्विलांस की जांच की.

पुलिस जांच के दौरान, लुटेरों के एक गिरोह द्वारा कार विभाग क्षेत्र से चोरी की गई वैन सयाजीपुरा एपीएमसी से खाली पाई गई। पुलिस ने वैन चोरी की सीसीटीवी फुटेज चेक की तो एक रिक्शा संदिग्ध लगा. रिक्शा की जांच के दौरान पता चला कि खोडियार नगर का राहुल रिक्शा लेकर आया था। यह फुटेज पुलिस के लिए काफी अहम साबित हुआ.

पुलिस टीम न्यू वीआईपी रोड, खोडियार नगर में रिक्शा चालक राहुल परमार (एकता नगर, अजवा रोड) की जांच कर रही थी, उसी दौरान पुलिस को देखकर राहुल ने रिक्शा मोड़ लिया और भागने लगा हुए पकड़ा गया। अजय रमेशभाई मारवाड़ी (एकता नगर, अजवा रोड) को भी रिक्शा के अंदर से पकड़ा गया। पुलिस ने रिक्शा की तलाशी ली और अंदर चांदी के आभूषण और चोरी के उपकरण मिले। तो पूछताछ के दौरान दोनों लुटेरे टूट गए और लूट की बात कबूल कर ली।

पुलिस जांच के दौरान सूत्रधार अजय मारवाड़ी से सनसनीखेज खुलासा हुआ. जिसमें डकैती और बलात्कार जैसे अपराधों को अंजाम देने वाला अजय मारवाड़ी पिछले कुछ समय से ऐसी ही डकैती की फिराक में था, किशनवाड़ी के भूपेन्द्र परमार ने अपने पास ही रहने वाले आकाश कहार के माध्यम से हितेश तड़वी और हितेश तड़वी ने मुख्य रूप से अजय मारवाड़ी को मुखबिरी की. गिरोह के सरगना अजवा रोड के बंगले के बारे में. डकैती को अंजाम देने के लिए अजय मारवाड़ी ने जशपालसिंह, मलिंदर सिंह, अजय सिंह और आजाद सिंह की मदद से डकैती को अंजाम दिया। भूपेन्द्र परमार को पहले सेठ कोसभाई ने वहां नौकरी पर रखा था और बोनस पर विवाद के कारण उसने नौकरी छोड़ दी थी। वह वहीं था जिसने सेठ को टिप दी थी।

लुटेरों के गिरोह ने लूट को अंजाम देने के बाद वैन को सयाजीपुरा एपीएमसी के पास छोड़ दिया और वहां से राहुल के रिक्शा में सवार होकर सावली चले गए. रिक्शा चालक राहुल को लूट के सात हजार रुपये और चांदी के आभूषण मिले। जब लूट की सूचना देने वाले भूपेन्द्र, हितेश या आकाश को पैसे नहीं मिले। पुलिस लुटेरों को रिमांड पर लेने का प्रयास कर रही है।

8000 करोड़ के जीएसटी घोटाले का मास्टरमाइंड सूरत से पकड़ा गया, 246 शेल कंपनियां बनाईं

सूरत, 28 अक्टूबर

8000 करोड़ का जीएसटी घोटालाः पुणे में जीएसटी विभाग की जांच में 246 शेल कंपनियां स्थापित करने और गलत तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने का 8000 करोड़ रुपये का जीएसटी घोटाला सामने आया है। ऑटो ड्राइवर के नाम पर रजिस्टर्ड फर्जी कंपनी की जांच मुंबई, राजकोट और भावनगर तक भी पहुंच गई है। इसके मास्टरमाइंड सूरत के रहने वाले अशरफ इब्राहिम कलावदिया को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है. अब जीएसटी इंटेलिजेंस टीम ने इस घोटाले में औपचारिक शिकायत दर्ज की है।

सूरत के रहने वाले अशरफ इब्राहिम कलावदिया ने 246 फर्जी कंपनियां खोलीं और अन्य आरोपियों के साथ मिलकर 8 हजार करोड़ रुपये का घोटाला किया. डीजीजीआई पुणे जोनल यूनिट अधिकारी ऋषि प्रकाश ने पुणे के कोरेगांव पार्क पुलिस स्टेशन में शिकायत की और पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच की। पूरे घोटाले के मुख्य आरोपी अशरफभाई कलावड़िया समेत नितिन बर्गे, फैसल मेवालाल, निजामुद्दीन खान, अमित तेजबहादुर सिन्हा, राहुल बरैया, कौशिक मकवाना, जितेंद्र गोहेल और अन्य के खिलाफ पुलिस ने धारा 420, 465, 467 के तहत मामला दर्ज किया है। 471, 120 (बी) 34 आईपीसी और आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया।

इस संबंध में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, अक्टूबर 2023 में डीजीजीआई टीम को पुणे-सोलापुर हाईवे पर गिरनी-शेवालवाड़ी में स्थित पठान एंटरप्राइजेज नाम की कंपनी के कई संदिग्ध लेनदेन मिले थे. मामले की जांच करने पर डीजीजीआई अधिकारियों ने पाया कि उक्त स्थान या किसी अन्य स्थान पर ऐसी कोई कंपनी मौजूद नहीं है.

मामले की आगे की जांच से पता चला कि ऐसी एक कंपनी गुजरात के भावनगर में पठान शब्बीर खान अनवर खान के नाम पर पंजीकृत थी, जबकि डीजीजीआई टीम द्वारा आगे की जांच से पता चला कि खान एक ऑटोरिक्शा चालक भी था। इस बारे में खान से आगे पूछताछ करने पर वह बहुत हैरान हुए और उन्होंने कहा कि उनके नाम पर ऐसी कोई कंपनी पंजीकृत नहीं है और उन्होंने इस मामले पर पूरी तरह से अनभिज्ञता जताई।

इससे चिंतित डीजीजीआई अधिकारियों ने पठान एंटरप्राइजेज समेत इन सभी फर्जी कंपनियों को पंजीकृत करने के लिए इस्तेमाल किए गए एक अद्वितीय मोबाइल नंबर और ई-मेल पते की गहन जांच की। इसी बीच राजकोट में जांच टीम की नजर में आईसीआईसीआई बैंक में खाता रखने वाला जीत कुकड़िया नाम का शख्स आया. हालांकि, आगे की जांच में पता चला कि कुत्ता एक निजी सुरक्षा गार्ड के रूप में काम कर रहा था। लेकिन पता चला कि कुकड़िया ने आरोपी कौशिक मकवाना और जितेंद्र गोहेल के लिए खाता खोला था. हालांकि, कुकड़िया ने खुद इस खाते से कभी कोई लेन-देन नहीं किया.

इस जांच में डीजीजीआई को मिली अहम जानकारी के आधार पर पुणे, मुंबई, राजकोट और भावनगर जैसे शहरों में छापेमारी की गई. इस जांच के अंत में पता चला कि मामले का मास्टरमाइंड और मुख्य आरोपी कलावाडिया, पठान एंटरप्राइजेज समेत कई फर्जी कंपनियां चला रहा था. इसके बाद कलावाडिया को 12 मार्च 2024 को मीरा-भाईंदर के एक होटल से गिरफ्तार कर लिया गया।

डीजीजीआई अधिकारियों ने उन्हें वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया और पुणे की एक अदालत में पेश किया। वह फिलहाल यरवदा जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। आगे की जांच से पता चला कि नितिन बर्गे मुंबई में अपने कथित बैंक खाते और फर्जी कंपनियां संचालित कर रहे थे। जबकि मेवालाल कथित तौर पर कलावाडिया के नकद लेनदेन को संभाल रहा था।

मुंबई स्थित एक अन्य आरोपी, निज़ामुद्दीन खान ने कथित तौर पर बैंक खाते खोलने के लिए आम लोगों के सिम कार्ड और केवाईसी विवरण प्रदान किए। एफआईआर में कहा गया है कि अमित सिंह कथित तौर पर फर्जी कंपनियां स्थापित करने में मदद कर रहा था और राहुल बरैया कथित तौर पर इन फर्जी कंपनियों को बेचने में मदद कर रहा था।

सुंदरकांड का पाठ सुनने गई 5 साल की बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास, आरोपी गिरफ्तार

सूरत (ईएमएस) शहर के पांडेसरा क्षेत्र में घर के निकट मंदिर में सुंदरकांड का पाठ सुनने गई पांच साल की मासूम बच्ची का अपहरण कर एक अधेड़ उसे अपने घर ले गया जहां बच्ची के साथ शारीरिक छेड़छाड़ कर दुष्कर्म का प्रयास किया हांलाकि पुलिस की त्वरित कार्यवाही ने बच्ची को अधेड की हवस का शिकार होने से बचा लिया पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर दुष्कर्म का केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है जानकारी के मुताबिक सूरत के पांडेसरा के पुराने लक्ष्मीनगर में प्रवासी परिवार की पांच साल की एक बच्ची घर के निकट मंदिर में सुंदरकांड का पाठ सुनने गई थी जहां से बच्ची के लापता होने पर परिजनों ने तुरंत पांडेसरा पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही पांडेसरा समेत शहर क्राइम ब्रांच, खटोदरा और अलथाम पुलिस हरकत में आ गई पुलिस की विभिन्न टीमों ने पांडेसरा के रिहाइशी इलाकों की सीसीटीवी खंगालना शुरू कर दिया जिसमें बाइक सवार एक अज्ञात शख्स बच्ची को कंधे पर डालकर ले जाता नजर आया फिर क्या था बाइक नंबर के आधार पर पुलिस अज्ञात अपहरणकर्ता के घर पहुंच गई और बच्ची को सुरक्षित मुक्त करवाया और आरोपी को गिरफ्तार लिया गिरफ्तार आरोपी 48 वर्षीय प्रमोद दूधनाथ गौड है, जो सूरत की पांडेसरा जीआईडीसी स्थित कपड़े की फैक्ट्री में काम करता है उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के मजगगा मुड का मूल निवासी सूरत के पांडेसरा क्षेत्र के गीतानगर-2 में रहता है पूछताछ में प्रमोद ने बताया कि मंदिर में सुंदरकांड सुनते सुनते बच्ची सो गई थी जिससे उसे कंधे पर डालकर अपने घर ले गया था बच्ची ने पुलिस को बताया कि प्रमोद ने उसके कपड़े निकाल दिए और शारीरिक छेड़छाड़ की जब वह रोने लगी तो प्रमोद ने उसे रु. 10 की लालच दी बच्ची के बयान के बाद पुलिस ने प्रमोद के खिलाफ अपहरण और दुष्कर्म के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है

गुजरात के इस प्रसिद्ध मंदिर में चोरी की नाकाम कोशिश? सीसीटीवी में कैद दृश्यों के आधार पर चोरों की जांच

हालोल,28 अक्टूबर

दिवाली के अवसर पर, विश्व प्रसिद्ध पावागढ़ के पवित्र मंदिर में हर दिन लाखों लोग आते हैं, मंदिर में चोरी के प्रयास की घटना सामने आने के बाद सुबह से ही मंदिर को भक्तों के लिए बंद कर दिया गया था।. हालांकि पुलिस द्वारा पूरी जांच करने के बाद यह बात सामने आई है कि चोरी का असफल प्रयास किया गया था. इस घटना की जानकारी मिलते ही पावागढ़ पुलिस का काफिला मंदिर पहुंचा और सीसीटीवी के आधार पर जांच की. जांच के बाद पता चला कि माताजी के आभूषण चोरी नहीं हुए थे और पुलिस व्यवस्था समेत मंदिर के प्रशासनिक तंत्र ने भी यह बात स्वीकार कर ली है.

घटना के संबंध में जिला पुलिस प्रमुख ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, एक व्यक्ति दोपहर करीब 1.30 बजे मंदिर के दादरा के पास स्थित पाइप का उपयोग करके और घाटी की ओर जाने वाले पाइप का उपयोग करके मंदिर में प्रवेश किया. ये शख्स मंदिर में चोरी के इरादे से आया था. हालाँकि, मंदिर के सदस्यों ने कहा है कि मंदिर या गर्भगृह से कुछ भी चोरी नहीं हुआ है। फिलहाल पुलिस रात में दाखिल हुए शख्स की तलाश कर रही है. उधर, मंदिर प्रशासन की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई है कि मंदिर में चोरी का प्रयास किया गया है. चोरी की आशंका के बाद सुबह मंदिर को बंद कर दिया गया था, लेकिन पुलिस की गहन जांच के बाद मंदिर को दर्शनार्थियों के लिए खोल दिया गया है। जिला पुलिस प्रमुख ने कहा है कि मंदिर में कोई चोरी नहीं हुई है.

उल्लेखनीय है कि यात्राधाम पावागढ़ के निज मंदिर के गर्भगृह में माताजी के आभूषण सहित सामान बिखरा हुआ देखा गया तो चोरी की आशंका के बाद मंदिर प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी. आला अधिकारियों समेत पुलिस का काफिला मंदिर पहुंचा और पुलिस के काफिले को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. पुलिस ने मंदिर को बंद रखा और श्रद्धालुओं की जांच की। हालांकि प्रारंभिक जांच में चोरी की बात सामने नहीं आई है।

अटलादड़ा व कलाली गांव सहित क्षेत्र को शाम का पानी नहीं मिलेगा

28 अक्टूबर

अटलादरा टैंक पर नवनिर्मित 24 इंच व्यास की डिलीवरी लाइन का कनेक्शन कार्य आज किया गया। जिसके कारण इस टंकी के नीचे के कई इलाकों में शाम के समय पानी की समस्या उत्पन्न हो जायेगी. आज सुबह जल वितरण के बाद शुरू हुई कार्रवाई रात तक जारी रहने की संभावना है. इस ऑपरेशन के कारण, कलाली गांव, चाणक्य नगर, वेसेंज़ा, रामनगर, गोकुलनगर, खोडियारनगर, वानकरवास, अटलादरा गांव और आसपास के क्षेत्र, गुणातीत धाम सोसायटी, संदेसरा रोड पर सभी सोसायटी, लाभा रेजीडेंसी, नीलकंठ रेजीडेंसी, विक्रमा बंगले, माधवनगर वुडा हाउस , कृष्णा दर्शन सोसायटी, प्रमुख आनंद सोसायटी, राजसूर्या सोसायटी, हरिओम नगर, दीप दर्शन सोसायटी-1, 2, 3, योगी रेजीडेंसी आदि क्षेत्रों में आज शाम को वितरण नहीं किया जाएगा। 29 तारीख मंगलवार को सुबह हल्के दबाव से, कम समय और देर से पानी दिया जाएगा।

दिव्यांग छात्रा से रोड शो में पीएम मोदी और सांचेज ने ली पेंटिंग, हाथ भी मिलाया

वडोदरा (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज के साथ वडोदरा में रोड शो किया । इसी बीच एक विकलांग छात्रा रोड शो में पीएम मोदी और उनके स्पेनिश समकक्ष सांचेज की पेंटिंग लेकर पहुंची । इसका वीडियो भी सामने आया है ।

वीडियो में देखा जा सकता है कि रोड शो के दौरान पीएम मोदी का काफिला आगे बढ़ता है तो उनकी नजर सड़क किनारे खड़ी एक दिव्यांग छात्रा पर पड़ती है, जो उनकी और स्पेन के पीएम की हाथ से बनी तस्वीरें लेकर पहुंची । इसके बाद पीएम मोदी अपने सुरक्षा अधिकारी से वह पेंटिंग लाने के लिए कहते हैं । पीएम मोदी और पेड्रो सांचे छात्रा की पेंटिंग देखकर काफी खुश होते हैं । दोनों नेता छात्रा की पेंटिंग को देखकर इतना गदगद हो जाते हैं कि वह खुद रोड शो को बीच में रोककर छात्रा से मिलने पहुंच जाते हैं ।

पीएम मोदी छात्रा से नाम भी पूछते हैं और हाल-चाल जानते हैं । इतना ही नहीं पेड्रो सांचेज भी बच्ची से मिलते हैं और उससे हैंडशेक करते हैं । दोनों नेता छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं भी देते हैं ।

उधर, पीएम मोदी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिस पर यूजर्स अलग-अलग कमेंट दे रहे हैं ।प्रधानमंत्री मोदी ने टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) के टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज की मौजूदगी में किया । इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि 'मेड इन इंडिया टाटा-एयरबस सी-295 विमान को भविष्य में निर्यात भी किया जाएगा । यह फैसिलिटी भारत की नागरिक विमान डिजाइन और निर्माण क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ वडोदरा को एक प्रमुख विमानन केंद्र के रूप में स्थापित करेगी ।

त्योहार के दौरान ट्रैफिक से गुलजार रहने वाले इन तीन पुलों की मरम्मत शुरू की

अहमदाबाद,28 अक्टूबर

शहर में साल भर सड़क, सीवर समेत छोटे-बड़े काम लगातार देखने को मिलते हैं. रोजमर्रा के कामकाज से लोगों को लगातार परेशानी हो रही है. ये तो तय है कि अहमदाबाद नगर निगम के एक फैसले से लोगों को बड़ा नुकसान होगा. क्योंकि एएमसी ने दिवाली के मौके पर ठाणे शहर में रानिप डी मार्ट के पास अखबार नगर और निर्माण नगर अंडरब्रिज और प्रबोध रावल ब्रिज की मरम्मत शुरू कर दी है। जिसके कारण अगले 15 से 30 दिनों तक स्थानीय लोगों के लिए अत्यधिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गयी है.

अहमदाबाद नगर निगम के ब्रिज प्रोजेक्ट विभाग के अनुसार, अखबारनगर और निशिकरणनगर अंडरब्रिज की तूफान जल निकासी लाइनों में जाली संरचनात्मक बीम और लोहे की जाली खराब हो गई है। इसके साथ ही रानीप डी मार्ट से आरटीओ सर्कल की ओर प्रबोध रावल ब्रिज के एक्सपेंशन ज्वाइंट और बेयरिंग कोट की सतह खराब होने पर मरम्मत की गई। 15 दिनों तक निर्माणनगर अंडरब्रिज में जाली बदलने का काम चला और अब अखबारनगर अंडरब्रिज और प्रबोध रावल ब्रिज की मरम्मत का काम किया गया है.

पुल की मरम्मत का काम शुरू होने के कारण डायवर्जन उपलब्ध कराया गया है। यानी पुल के एक तरफ की सड़क बंद है, जबकि दूसरी तरफ की सड़क चालू है. यानी एक ही सड़क पर ट्रैफिक होने से दिवाली के मौके पर ट्रैफिक जाम की समस्या गंभीर हो जाएगी.

स्थानीय लोगों के मुताबिक, आम दिनों में इस सड़क पर ट्रैफिक ज्यादा रहता है, जबकि दिवाली के त्योहार के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के परिवहन के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या होती है. पुल के परिचालन के दौरान लोग वैकल्पिक व्यवस्था के तहत एक तरफ से आवाजाही कर रहे हैं, लेकिन त्योहार के पहले या बाद में इस तरह का परिचालन शुरू करना जरूरी था.

गुजरात सरकार ने आईपीएस हसमुख पटेल को जीपीएससी का अध्यक्ष नियुक्त किया

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात सरकार ने एक बार फिर आईपीएस हसमुख पटेल को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। राज्य सरकार ने हसमुख पटेल को गुजरात लोक सेवा आयोग (जीपीएससी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 316 की

वडोदरा, भरूच और छायापुरी स्टेशनों पर 10 नवंबर तक प्लेटफॉर्म टिकट पर रोक

आगामी त्योहारी सीजन के दौरान बेहतर क्राउड मैनेजमेंट के तहत वडोदरा मण्डल के वडोदरा, भरूच और छायापुरी स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से अस्थायी प्रतिबंध लगा गया है। इस का उद्देश्य प्लेटफॉर्म पर भीड़ को नियंत्रित करना और स्टेशन परिसर के भीतर यात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करना है।

दिवाली त्योहार और छठ पूजा के दौरान प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री पर प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से 10 नवंबर 2024 तक लागू रहेगा। यात्रा को आसान बनाने के लिए वरिष्ठ नागरिकों और चिकित्सा संबंधी ज़रूरत वाले लोगों को इन प्रतिबंधों से छूट दी गई है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे त्योहार के दौरान सुचारू और सुरक्षित यात्रा अनुभव के लिए तदनुसार योजना बनाएं और नए नियमों का पालन करें।

गुजरात पर फिर लगा नशे का कलंकः अहमदाबाद से दो करोड़ के गांजे के साथ सात लोग गिरफ्तार

अपडेट किया गयाः 28 अक्टूबर

राज्य में नशीली दवाओं की बरामदगी का सिलसिला जारी है, अहमदाबाद के हवाई अड्डे से लगभग दो करोड़ रुपये मूल्य की सात किलोग्राम से अधिक हाइब्रिड भांग जब्त की गई है। पुलिस ने इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है. जबकि एक आरोपी को वांछित घोषित किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 के गेट के बाहर से पुलिस ने सात आरोपियों को 7.5 किलो हाइब्रिड गांजा के साथ पकड़ा है. इन आरोपियों के पास से 27 हजार रुपये की विदेशी मुद्रा (दिरहम) समेत 4 पासपोर्ट बरामद किए गए हैं. आरोपी यह हाईब्रिड गांजा विदेश से लेकर आए थे। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और पूरी घटना के संबंध में आगे की जांच कर रही है.

कुछ दिन पहले, अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने एक गुप्त सूचना के आधार पर ओडिशा से भारी मात्रा में गांजा और ड्रग्स ले जा रहे एक ट्रक को रोककर कुल 65 लाख रुपये की नकदी जब्त की थी। जिसमें से करीब 43 लाख कीमत का 194.85 ग्राम गांजा जब्त किया गया.

रामदेव होटल के पास एलपीजी टैंकर से गैस चोरी का गोरखधंधा पकड़ा गया

अहमदाबाद,28 अक्टूबर

ग्रामीण एसओजी स्टाफ ने अहमदाबाद जिले के वीरमगाम-मालवण रोड पर स्थित एक होटल पर छापा मारकर एलपीजी गैस चोरी कर उसे व्यावसायिक गैस सिलेंडरों में भरकर बार-बार बेचने के बड़े घोटाले का पर्दाफाश किया और तीन टैंकरों के साथ होटल के मालिक सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया। 36 गैस सिलेंडर और कुल 64 लाख रुपये बरामद कर आगे पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के पीआईकेजी चौधरी और उनके स्टाफ को सूचना मिली कि विरमगाम-मालवण के दोलतपुरा पाटिया के पास रामदेव होटल के मालिक देवाराम चौधरी ने अपने होटल के पीछे बाहर से आ रहे एक एलपीजी गैस टैंकर को बुलाया और टैंकर की सील के साथ छेड़छाड़ की। और इसे व्यवसायिक गैस सिलेंडरों में अवैध रूप से भरकर बेचता है।

रामदेव होटल 2 के पास पकड़ा गया एलपीजी टैंकर से गैस चोरी का गोरखधंधा - छवि सूचना के आधार पर पुलिस ने की छापेमारी। जहां तीन टैंकरों की सील से छेड़छाड़ कर उनमें गैस सिलेंडर भर दिए गए। जब एक लोडिंग रिक्शा में 36 गैस सिलेंडर मिले. इस संबंध में पुलिस को पता चला कि देवाराम चौधरी गैस टैंकर चालक को प्रति गैस सिलेंडर पांच सौ रुपये देता था और एक टैंकर से चार से पांच गैस सिलेंडर अवैध रूप से भरकर बाजार में तीन हजार रुपये की कीमत पर बेचता था. .

की जांच शुरू कर दी गई है। टैंकरों से गैस चोरी का गोरखधंधा रामदेव होटल का मालिक देवाराम चौधरी चलाता था. अभी तक प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उसने लाखों रुपये की गैस चोरी की है। अहमदाबाद ग्रामीण

श्रीराम फाइनेंस ने गुजरात में अपना अभिनव दोपहिया ऋण समाधान - "दोपहिया ऋण पात्रता वाउचर" लॉन्च किया

वडोदरा, श्रीराम समूह की प्रमुख कंपनी, श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड ने अपने सपनों की दोपहिया खरीदने के इच्छुक ग्राहकों के लिए एक अभिनव और अपनी तरह का पहला दोपहिया ऋण समाधान ठटू-व्हीलर लोन एलिजिबिलिटी वाउचरठ लॉन्च करने की घोषणा की है।

श्रीराम फाइनेंस के एमडी और सीईओ श्री वाई.एस. पहल के बारे में बोलते हुए, चक्रवर्ती ने कहाः ''हमें टू-व्हीलर लोन पात्रता वाउचर पेश करने पर गर्व है, जो इस त्योहारी सीजन में अपने टू-व्हीलर खरीदने के इच्छुक सभी ग्राहकों के लिए अपनी तरह की पहली पहल है। श्रीराम फाइनेंस गुजरात के सबसे बड़े दोपहिया फाइनेंसरों में से एक है और यह पहल गुजरात में हमारी स्थिति को मजबूत करने और बढ़ने में मदद करेगी।

चक्रवर्ती ने आगे कहा, ''आम तौर पर ग्राहक जिस बाइक को खरीदना चाहते हैं उस पर शोध करने और निर्णय लेने में काफी समय लगाते हैं। हालाँकि, वे अक्सर क्रेडिट पहलू को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे ऋण प्रदाता चुनते समय अनिश्चितता पैदा होती है। बहुत से लोग नहीं जानते कि वे अपनी पसंद के दोपहिया वाहन के लिए ऋण पात्रता निर्धारित कर सकते हैं। दोपहिया ऋण पात्रता वाउचर के साथ, ग्राहक आसानी से अपनी ऋण पात्रता की पहले से जांच कर सकते हैं, जिससे उन्हें वित्तपोषण की उपलब्धता के आश्वासन के साथ अपने सपनों का दोपहिया वाहन खरीदने का विश्वास मिलता है।'' टू-व्हीलर लोन पात्रता वाउचर को ग्राहक द्वारा टू-व्हीलर लोन के लिए अपनी पात्रता, पात्रता राशि, ब्याज दर और फिर ऋण अवधि का पता लगाने में लगने वाले समय को कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ग्राहकों को श्रीराम फाइनेंस वेबसाइट या श्रीराम वन एप्लिकेशन पर जाना होगा, अपने बारे में और जिस दोपहिया वाहन को वे खरीदना चाहते हैं उसके बारे में बुनियादी विवरण भरना होगा, और कुछ ही क्षणों में उन्हें डाउन पेमेंट राशि और ऋण सहित ऋण राशि का विवरण मिल जाएगा। पात्रता। फिर उन्हें बस अपना दोपहिया वाहन ऋण पात्रता वाउचर डाउनलोड करना होगा

30 अक्टूबर को वडोदरा से छपरा के लिए चलेगी ''फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन'' की एक ट्रिप

पश्चिम रेलवे द्वारा आगामी दिवाली और छठ फेस्टिवल के मद्देनजर,यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए वड़ोदरा और छपरा के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

ट्रेन नंबर 09125/09126 वड़ोदरा - छपरा - वड़ोदरा स्पेशल ट्रेन

ट्रेन नंबर 09125 वड़ोदरा - छपरा ''फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन'' 30.10.2024 को वड़ोदरा से बुधवार को 00:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:00 बजे छपरा स्टेशन पहुंचेगी। यह ट्रेन मात्र एक दिवस अर्थात् 30.10.2024 को वड़ोदरा स्टेशन से चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन नंबर 09126 छपरा - वड़ोदरा ''फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन'' 31.10.2024 को छपरा स्टेशन से गुरुवार को दोपहर 12:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21:30 बजे वड़ोदरा पहुंचेगी। यह ट्रेन भी मात्र एक दिवस के लिए चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में गोधरा , दाहोद, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, आगर फोर्ट, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या धाम, मनकापुर, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया सदर एवं सीवान स्टेशनों पर रूकेगी। इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर एवं जनरल श्रेणी के कोच शामिल हैं।

ट्रेन नंबर 09125 वड़ोदरा – छपरा स्पेशल ट्रेन की बुकिंग 29.10.2024 को यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। यात्री इस ट्रेन के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट www.enquiry.iáianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पीएम मोदी और पीएम सांचेज के कार्यक्रम के चलते सैकड़ों समाज के लोग नजरबंद हैं

वड़ोदरा,28 अक्टूबर

पीएम नरेंद्र मोदी और स्पेन के पीएम पेड्रो सांचेज के आज के कार्यक्रम के कारण टाटा-एयरबस प्लांट के रास्ते में पड़ने वाली सैकड़ों सोसायटियों में घंटों नजरबंदी रही.

ऐसे में आज आधे शहर में पुलिस समेत सुरक्षा एजेंसियों ने ट्रैफिक रोक दिया और इस वजह से आज सुबह काम पर जा रहे लोगों को परेशानी हुई.. जब भी प्रधानमंत्री मोदी वडोदरा आते हैं तो पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां बेवजह लोगों की सुरक्षा करती हैं सुरक्षा के नाम पर वडोदरा का दिन भी अपवाद नहीं रहा.

पीएम मोदी और स्पेन के पीएम सांचेज के आज एक घंटे के कार्यक्रम के लिए टाटा एयरबस प्लांट के रास्ते वाली सोसायटियों के सैकड़ों लोगों को कल रात से ही हिरासत में ले लिया गया था, जहां-तहां पुलिस के जवान तैनात थे कोई द्वार नहीं थे.

इस इलाके की एक सोसायटी के निवासी ने कहा कि हमें कल रात से ही बिना आपात्कालीन स्थिति के बाहर निकलने से मना कर दिया गया. आज दोपहर बारह बजे तक हम घरों में कैद रहे स्कूलों में छुट्टी. अन्यथा कई बार विद्यार्थियों व छोटे बच्चों को भी परेशानी होती। लोगों ने कहा कि इससे तो राजा-महाराजा अच्छे थे, आज के नेता करदाताओं के पैसे से वीआईपी समर्थन का आनंद लेते हैं और करदाताओं को परेशान करते हैं।

इस दौरान सुरक्षा के नाम पर उद्घाटन स्थल पर पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने मीडिया और आमंत्रित लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया. हालांकि मोबाइल फोन से फोटो और वीडियो लेने पर कोई प्रतिबंध नहीं था, लेकिन पुलिसकर्मी बौखला गए और आमंत्रित लोगों से मनमाने तरीके से बातचीत की।

पश्चिम रेलवे त्यौहार विशेष ट्रेनें चलाएगा

ट्रेन नं.	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियाँ	प्रस्थान	आगमन
09449	अहमदाबाद - गोरखपुर	30.10.2024 से 27.11.2024	22:00 बजे (बुधवार)	04:30 बजे (शुक्रवार)
09450	गोरखपुर - अहमदाबाद	01.11.2024 से 29.11.2024	07:30 बजे (शुक्रवार)	14:00 बजे (अगले दिन)
पड़ावः आनंद, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, आगरा किला, तुला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या धाम, मनकापुर और बस्ती स्टेशन दोनों दिशाओं में।				
संरचनाः एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
09125	वडोदरा - छपरा	30.10.2024	00:25 बजे (बुधवार)	09:00 बजे (अगले दिन)
09126	छपरा - वडोदरा	31.10.2024	12:00 बजे (गुरुवार)	21:30 बजे (अगले दिन)
पड़ावः गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, आगरा किला, तुला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या धाम, मनकापुर, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया सदर या सीवान स्टेशन दोनों दिशाओं में।				
संरचनाः एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				

समय, पड़ाव और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry. Indianrail.gov.in पर जा सकते हैं

ट्रेन संख्या 09449 और 09125 की बुकिंग 29.10.2024 से पीआरएस काउंटरों और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराये पर विशेष ट्रेनों के रूप में चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें यहां लाइक: facebook.com/WesternRly
हमें यहां फ़ॉलो करें : X.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल आईडी प्रमाण साथ रखें

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वडोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96